देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक–283 । सागर, सोमवार, 4 दिसम्बर 2023 । पृष्ठ –8 । मूल्य – 3.00 रुपए

जिले की 5 सीटों पर कमल खिला, कांग्रेस के खाते में आई एक सीट — पृष्ठ 3

- उत्तर भारत में भाजपा नहीं जीती कांग्रेस हारी
- इतनी नफ़रत इतना ज़हर? — पृष्ठ 4

- जिले के टीकमगढ़-खरगापुर में कांग्रेस और जतारा में भाजपा ने फहराया परचम — पृष्ठ 6

निर्वाचित प्रत्याशियों को रिटर्निंग अधिकारियों ने दिए निर्वाचन प्रमाण पत्र — पृष्ठ 8

4 राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित

भाजपा ने मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में साबित की अपनी लोकप्रियता

- कांग्रेस के हाथ से निकले राजस्थान, छत्तीसगढ़
- तेलंगाना में पहली बार मिली जीत

नई दिल्ली, देशबन्धु। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को जोरदार प्रदर्शन करते हुए हिन्दी भाषी तीन राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बड़ी जीत दर्ज की। तेलंगाना सहित चार राज्यों के चुनावों की मतगणना में भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंदी कांग्रेस को राजस्थान और छत्तीसगढ़ में झटका लगा और उसने इन दोनों राज्यों में अपनी सरकार गवां दी लेकिन पार्टी ने दक्षिण के एक महत्वपूर्ण राज्य तेलंगाना में एक बड़ी कामयाबी हासिल की जब उसने राज्य के गठन के बाद से 10 साल लगातार सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को उखाड़ फेंका।

भाजपा, जिसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता के रथ पर सवाल होकर चारों राज्यों में चुनाव लड़ा, उसने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस से सत्ता छीनी और अपने पुराने गढ़ मध्यप्रदेश में इस बार अभूतपूर्व प्रदर्शन किया। 230 सदस्यीय मध्यप्रदेश विधानसभा के चुनाव में भाजपा 164 व कांग्रेस 65 सीटों पर विजय हासिल की है। राजस्थान में कुल 199 सीटों पर हुये चुनाव में भाजपा ने 115 सीटें जीती व कांग्रेस ने 69 सीटें जीती। छत्तीसगढ़ की कुल 90 सीटों के चुनाव में भाजपा ने 54 व कांग्रेस 35 सीटें जीती। तेलंगाना में कुल 119 सीटों में से कांग्रेस 64 सीटों पर कब्जा जमा किया। बीआरएस को 39 सीटें मिली।

चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है। उसका भरोसा भाजपा में है : **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

तीन राज्यों में हमारा प्रदर्शन निस्संदेह निराशाजनक रहा लेकिन हमारा दृढ़ विश्वास है कि इन तीन राज्यों में मेहनत और दृढ़ निश्चय से हम मजबूती के साथ वापसी करेंगे : **मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष**

कांग्रेसे ने कहा, हार से हताश नहीं

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तेलंगाना के मतदाताओं को अपनी पार्टी के प्रति विश्वास जताने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि पार्टी तीन राज्यों में अपनी हार से हताश हुए बगैर अगला लोकसभा चुनाव इंडिया गठबंधन के दलों के साथ दोगुने जोश के साथ लड़ेगी। कांग्रेस के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फिर से ईवीएम का मुद्दा उठाया और पार्टी के कुछ कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय पर ईवीएम के खिलाफ तख्तियां लेकर प्रदर्शन करते देखे गए।

केसीआर ने दिया इस्तीफा

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने अपनी पार्टी की हार को स्वीकार करते हुए पद से इस्तीफा दे दिया है। इन चार राज्यों के साथ मिजोरम विधानसभा के लिये हुए चुनाव की मतगणना सोमवार को होगी।

विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित, भाजपा 164 सीटें जीती, कांग्रेस 65 पर सिमटी

मप्र में भाजपा को मिली बंपर जीत

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को बंपर जीत मिली। देर रात तक घोषित चुनाव परिवारों में पार्टी ने 164 सीटें जीत ली थीं, वहीं कांग्रेस 65 सीटों पर सिमट गई थी। एक सीट अन्य ने जीती है। प्रदेश में भाजपा 2018 के चुनाव में करीब एक साल कांग्रेस के हाथों सत्ता गवांने को छोड़कर लगातार पांचवी बार सरकार बनाने जा रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में प्रदेश में कांग्रेस को 114 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा 109 सीटों पर विजयी हुयी थी। बाद में ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में पार्टी विधायकों के एक धड़े के भाजपा में मिलने से कमलनाथ सरकार गिर गयी थी और भाजपा ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में फिर से अपनी सरकार बनाई थी।

यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति जनता के अगाध प्रेम और विश्वास, पार्टी के नेताओं की रणनीति और मार्गदर्शन तथा समाज के हर वर्ग के लिए डबल इंजन सरकार के कामों की जीत है: शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री मप्र

इस वर्ष कर्नाटक विधानसभा चुनाव मे मिली जीत के बाद उत्साहित कांग्रेस ने 5 राज्यों के लिए हुए चुनावों के लिए ताबड़तोड़ घोषणाएं की और इन्हें पार्टी की गारंटी बताया। इससे उलट सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने लाड़ली बहना योजना लागू की। यही नहीं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कर्मचारियों, युवाओं को साधने के लिए अलग-अलग घोषणाएं की और कई पर अमल भी किया। माना जा रहा है कि प्रदेश में भाजपा को मिली बड़ी जीत मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा अलग-अलग वर्गों के लिए उठाए गए कदमों का असर है। राजनीतिक प्रेक्षक मानते हैं कि भाजपा की रणनीति के अलावा उसकी इस विजय में लाड़ली बहना योजना कारगर साबित हुई है। इसकी एक झलक मतदान के दौरान भी मिली थी जब 75 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं ने अधिक मतदान किया था। तभी से ये चर्चा थी कि भाजपा खासे बहुमत के साथ सत्ता में आएगी।

शिवराज को मिला लाड़ली बहनों का साथ

सफल रहा दिग्गजों पर दांव

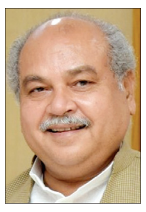

भाजपा ने पहली बार ज्योतिरादित्य सिंधिया को छोड़कर प्रदेश के सभी केन्द्रीय मंत्रियों और 3 सांसदों को चुनाव मैदान में उतार दिया था। पार्टी की यह रणनीति कारगर रही। दिमनी से केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, नरसिंहपुर से प्रहलाद पटेल, दिग्गज नेता कैलाश विजयवर्गीय विजय रहे। हालांकि फग्गन सिंह कुलस्ते को हार का सामना करना पड़ा और सतना से सांसद गणेश सिंह चुनाव नहीं जीत पाए। लेकिन राकेश सिंह जबलपुर, सांसद उदय प्रताप सिंह गाडरवारा, रीति पाठक सीधी से चुनाव जीत गए।

सिर्फ नामांकन भरने गए शिवराज, 1 लाख से अधिक मतों से जीते

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने निर्वाचन क्षेत्र बुधनी में सिर्फ नामांकन दाखिल करने गए थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया था कि आप सब शिवराज बनकर बुधनी में काम करें, मैं मध्यप्रदेश देखूंगा। इसके बाद शिवराज चुनाव बाद ही कार्यकर्ताओं से मिलने बुधनी पहुंचे। उन्होंने 1 लाख 4 हजार 964 वोटों से जीत दर्ज की।

1 लाख से अधिक वोटों से जीतने वाले उम्मीदवार

1. कृष्णा गौर (गोविंदपुरा, भोपाल) 2. रमेश मेंदोला (इंदौर-2) 3. रामेश्वर शर्मा (हुजूर, भोपाल)

यह मंत्री जीते

तुलसी सिलावट
विजय शाह
जगदीश देवड़ा
बिसाहूलाल
भूपेंद्र सिंह
मीना सिंह
गोविंदसिंह राजपूत
बृजेंद्र प्रताप सिंह
विश्वास सारंग
प्रभुराम चौधरी
प्रद्युमसिंह तोमर
ओमप्रकाश सखलेचा
ऊषा ठाकुर
राजेंद्र शुक्ल
इंदरसिंह परमार
बृजेंद्रसिंह यादव
हरदीप सिंह डंग
मोहन यादव

हारे

नरोत्तम मिश्रा
कमल पटेल
महेंद्रसिंह सिसोदिया
प्रेमसिंह पटेल
अरविंद सिंह भदौरिया
राजवर्धन सिंह
गौरीशंकर बिसेन
भारतसिंह कुशवाह
राम खेलावन पटेल
राम किशोर कांवरे
सुरेश धाकड़
राहुल लोधी

खजुराहो संसदीय क्षेत्र की सभी आठों विधानसभा सीटें भाजपा जीती

भोपाल, देशबन्धु। *भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के संसदीय क्षेत्र खजुराहो की सभी आठों विधानसभा सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। पार्टी ने चंदला, राजनगर, गुन्नौर, पवई, पन्ना, मुड़वारा, बहोरीबंद, विजयराधौगढ़ में खासी विजय हासिल की है।*

श्री शर्मा की अगुवाई में न सिर्फ संसदीय क्षेत्र, बल्कि प्रदेश भर में 51 प्रतिशत वोट हासिल करने के लिए बूथ स्तर पर जमावट की गई थी। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। पार्टी को कई विधानसभा क्षेत्रों के कई-कई बूथों पर 51 प्रतिशत या उससे अधिक वोट मिले हैं।

भाजपा को मिली प्रचंड जीत पर प्रदेशाध्यक्ष बोले

प्रदेश में चला मोदी मैजिक, कुशल रणनीति की जीत

भोपाल, देशबन्धु । प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और विष्णदुत्त शर्मा ने पार्टी को मिली जीत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व अमित शाह की कुशल रणनीति, सामूहिक नेतृत्व, केन्द्र व राज्य सरकार के कामकाज को जीत का श्रेय दिया है।

श्री शर्मा पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली अभूतपूर्व जीत प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह की कुशल रणनीति और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के मार्गदर्शन मिली है।

प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भोपाल में देश भर के 10 लाख बूथों के कार्यकर्ताओं को मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के तहत बूथ जीतने का जो मंत्र दिया था, उसे पार्टी कार्यकर्ताओं ने साकार करने का काम किया है। वहीं शाह ने प्रदेश के चुनाव में हर बूथ पर 51 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त करने का लक्ष्य दिया था। पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के 64523 बूथों पर अथक मेहनत करके हर बूथ को जीतने के साथ 51 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त करने की ओर अग्रसर हुए है।

श्री शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा ने सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव लड़ा है और कार्यकर्ता ने लगातार जमीनी स्तर पर कार्य करके पार्टी को ऐतिहासिक बहुमत दिलाया है। प्रदेश की जनता से केन्द्र की प्रधानमंत्री मोदी की सरकार और प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों के साथ गरीब कल्याण के कार्यों को लेकर जनता ने अपना आशीर्वाद भाजपा को दिया है। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने लाड़ली लक्ष्मी योजना और लाडली बहना योजना सहित केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र भी किया। श्री शर्मा ने कहा कि कर्मचारियों को कांग्रेस ने गुमराह करने की खूब कोशिश की,लेकिन पोस्टल बैलेट पेपर में कर्मचारियों के मतों ने कांग्रेस को आईना दिखा दिया।

अल्पसंख्यकों ने दिया भाजपा को वोट

श्री शर्मा ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी ने भोपाल में रोड शो अल्पसंख्यकों के इलाके में किया। इस बार अल्पसंख्यकों ने भी कांग्रेस का साथ नहीं दिया और कई सीटों पर उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की नीतियों से प्रभावित होकर मतदान किया। बुरहानपुर में भाजपा प्रत्याशी अर्चना चिटनीस चुनाव जीत गईं है।

कांग्रेस की हार स्वीकारी, कमलनाथ बोले- भाजपा को बधाई

विपक्ष की जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड जीत के बाद कांग्रेस ने हार स्वीकार कर ली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने भाजपा को जीत के लिए बधाई दी है, साथ ही कहा कि हम विरोधी दल के नाते अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते रहेंगे। कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश की जनता का फैसला मुझे स्वीकार है, हमें विपक्ष में बैठने की जिम्मेदारी दी गई है, तो हम उस जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे।

कमलनाथ ने इसके साथ ही इस बात का भरोसा जताया कि भाजपा पर प्रदेश के मतदाताओं ने जो भरोसा जताया है, उनके साथ भाजपा विश्वासघात नहीं करेगी और जनता के विश्वास पर भाजपा खरी उतरेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सामने अभी सबसे बड़ा सवाल यही है कि प्रदेश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो, हमारे किसानों को खुशहाली मिले।

उन्होंने कहा कि आप सबको याद होगा कि मैंने कभी सीटों की घोषणा नहीं की। सिर्फ यही कहा कि मुझे प्रदेश के मतदाताओं पर पूरा विश्वास है और आज भी मैं यही कहूंगा कि मुझे प्रदेश के मतदाता पर विश्वास है, हम इस बात पर विचार करेंगे कि हमारे भीतर क्या कमियां रह गई थीं। कमलनाथ ने कहा कि मैं सभी हारे हुए कांगेस प्रत्याशियों और जीते हुए कांग्रेस विधायकों के साथ इस बात की समीक्षा करूंगा कि आखिर वह क्या वजह रही जो हम अपनी बात प्रदेश के मतदाता को समझा नहीं पाए।

कमलनाथ 35 हजार से ज्यादा मतों से जीते

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश की छिंदवाड़ा विधानसभा सीट से मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ चुनाव मैदान में रहे। उनका अभेद गढ़ मानी जाने वाली इस सीट से कमलनाथ ने 35009 मतों से जीत दर्ज की है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के विवेक बंटी साहू को चुनाव में शिकस्त दी है। कमलनाथ जहां इस सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं, वहीं वह छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र से पहली बार 1980 में सांसद चुने गए थे। इसके बाद वह इस संसदीय सीट पर 9 बार सांसद रहे। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा में कुल 7 सीटें आती हैं, जिनमें 4 आरक्षित हैं।

चुनाव नजीते कांग्रेस को बड़ा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। आक्रामक अभियान चलाने के बावजूद कांग्रेस राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में हार गई और इसके साथ ही 2024 के महत्वपूर्ण लोकसभा चुनावों से हिमाचल प्रदेश को छोड़कर पार्टी का मुख्य हिंदी बेल्ट में लगभग सफाया हो गया है।

इस बड़े झटके ने लोकसभा चुनाव के लिए अधिक सीटों की सौदेबाजी के लिए भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) में भी कांग्रेस को झटका दिया है। पार्टी के एक नेता ने, जो अभी तक तीन राज्यों में हार के सदमे से उबर नहीं पाए हैं, नाम न छापने की शर्त पर कहा कि नतीजे हमारे लिए बहुत बड़ा झटका हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी को उम्मीद थी कि वह छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार बनाएगी, जहां उसे पिछले पांच वर्षों में कोई समस्या नहीं हुई और न ही कोई सत्ता विरोधी लहर दिखी और न ही पार्टी नेतृत्व के पास कोई रिपोर्ट आई। मप्र के नतीजों पर टिप्पणी करते हुए पार्टी नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि राज्य की रिपोर्ट के आधार पर हमें राज्य में 150 सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि हालांकि, चीजें हमारे अनुरूप नहीं रहीं और हम इस चुनाव में बहुत कम सीटों पर सिमट गए, जो काफी आश्चर्यजनक है।

हिमाचल को छोड़कर हिंदी बेल्ट से हुआ सफाया

पार्टी नेता ने बताया कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में सफलता का स्वाद न चख पाने का मुख्य कारण यह था कि पार्टी के रणनीतिकार सुनील कनुगोलू और उनकी टीम को कमल नाथ और अशोक गहलोत जैसे नेताओं द्वारा खुली छूट नहीं दी गई थी। पार्टी नेता ने कहा, हालांकि, उन्हें तेलंगाना में पार्टी को उचित रिपोर्ट देने और अभियानों के लिए तरीके सुझाने की पूरी आजादी थी और राज्य नेतृत्व उनसे सहमत था और उन्हें आवश्यक सभी मदद दी। उन्होंने कहा, यहां तक कि राज्य नेतृत्व ने कनुगोलू की टीम द्वारा किए गए आंतरिक सर्वेक्षणों पर कार्रवाई की, जो कि राजस्थान और मध्य प्रदेश में नहीं था, जहां वरिष्ठ कांग्रेस नेता उनके साथ नहीं आए, जिसके कारण मूड अनुकूल होने के बावजूद इतनी बड़ी हार हुई। पार्टी नेता ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि राजस्थान में कनुगोलू की टीम के बीच मतभेद तब सामने आए जब उन्होंने पार्टी के आंतरिक सर्वेक्षण में सुझाव दिया कि कई मौजूदा विधायक और मंत्री रेगिस्तानी राज्य में जीत नहीं पाएंगे। हालांकि, पार्टी नेता ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी रणनीति टीम डिजाइनबॉक्स्ड द्वारा किए गए सर्वेक्षणों के आधार पर अपने विधायकों और मंत्रियों के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर से इनकार किया है। यही वह जगह है जहां अंतर है। कनुगोलू की टीम द्वारा तैयार किया गया सर्वेक्षण एक ईमानदार सर्वेक्षण था जिसने समस्याओं को उजागर किया था, जिसे नजरअंदाज कर दिया गया। पार्टी नेता ने कहा कि अब हिंदी पट्टी में पूरी तरह से सफाये के बाद 2024 के महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव से पहले की राह आसान नहीं होगी।

उन्होंने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि विधानसभा चुनावों के मद्देनजर रोकी गई इंडिया गठबंधन के सीट बंटवारे की बातचीत का असर उसी पर पड़ेगा क्योंकि हिंदी भाषी क्षेत्र में कोई उपस्थिति नहीं होने या बहुत कम उपस्थिति का हवाला देकर अन्य दलों से कड़ी सौदेबाजी करने की स्थिति में वह नहीं होगी।

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

चुनाव परिणाम के बाद पूर्व विधायक के निवास पर उपद्रव

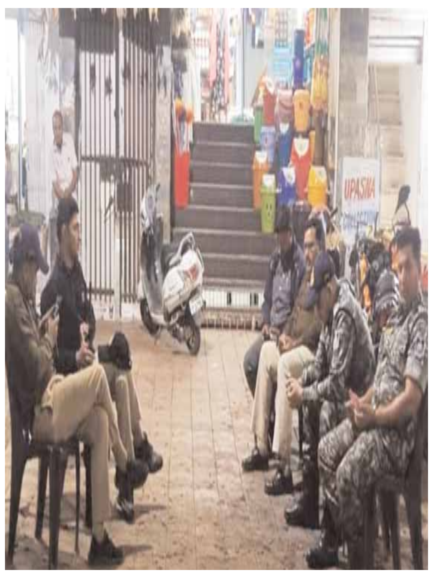

गंज बासौदा, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव की परिणामों की घोषणा होते ही भाजपा समर्थकों ने पार्टी की ही पूर्व विधायक लीना जैन के निवास पर पटाखे चलाएं और जलते पटाखों को उनके घर में फेंक दिया। उनके निवास पर 50-60 लोगों की भीड़ ने काफी देर तक उपद्रव किया। यह लोग गाली-गलौज करते हुए धमकियां देते रहे कि अब हमारा विधायक बन गया है,तुम लोगों को बासौदा में नहीं रहने देंगे। भीड़ शांत होते न देख पूर्व विधायक ने थाना प्रभारी को शिकायत की और लिखित आवेदन भी प्रस्तुत किया, तब कहीं जाकर उनके निवास पर पुलिस पहुंची। जैसे पुलिस को यहां देखा उपद्रव करने वाले लोग भाग खड़े हुए।

रायसेन जिले की 4 में से 3 सीट पर भाजपा का परचम

▶ विधानसभा क्षेत्र उदयपुरा से पटेल, भोजपुर से पटवा, सांची से डॉ प्रभुराम और सिलवानी से देवेन्द्र निर्वाचित

रायसेन, देशबन्धु। मप्र विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत जिले की चारों विधानसभाओं की मतगणना रायसेन स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में सम्पन्न हुई। मतगणना सम्पन्न होने के उपरांत जिले की चारों विधानसभाओं के निर्वाचन परिणाम घोषित किए गए। चारों विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा उनके विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचित उम्मीदवारों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-140 उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी पार्टी के उम्मीदवार नरेंद्र शिवाजी पटेल , विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-141 भोजपुर से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार सुरेन्द्र पटवा , विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-142 सांची से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार डॉ प्रभुराम चौधरी तथा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-143 सिलवानी से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार देवेन्द्र पटेल को निर्वाचित घोषित कर निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विजयी प्रत्याशी श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल को 124279 मत प्राप्त हुए जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के श्री देवेन्द्र सिंह पटेल को 81456 मत प्राप्त हुए। भोजपुर विधानसभा क्षेत्र से विजयी प्रत्याशी भाजपा के श्री सुरेन्द्र पटवा को 119289 मत प्राप्त हुए जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के श्री राजकुमार पटेल को 78510 मत प्राप्त हुए।

सांची विधानसभा क्षेत्र से विजयी प्रत्याशी भाजपा के डॉ प्रभुराम चौधरी को 122960 मत प्राप्त हुए जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के डॉ जीसी गौतम को 78687 मत प्राप्त हुए। सिलवानी विधानसभा क्षेत्र से विजयी प्रत्याशी कांग्रेस के श्री देवेंद्र पटेल को 95935 मत प्राप्त हुए जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के श्री रामपाल सिंह को 84481 मत प्राप्त हुए। इनमें डाक मतपत्र भी शामिल हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अरविंद दुबे ने मप्र विधानसभा निर्वाचनदृ2023 अंतर्गत जिले में निर्वाचन प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था में लगे पुलिस बल, एसएएफ एवं सशस्त्र सुरक्षा बल को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया को कुशलतापूर्वक एवं शांतिपूर्वक संपन्न कराने में निर्वाचन अमले ने अपने दायित्वों का पूरी गंभीरतापूर्वक निर्वहन किया है और उन्होंने अपनी क्षमताओं का अधिकतम उपयोग कर बेहतर प्रदर्शन किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने कहा है कि संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान मीडिया का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा है।

उन्होंने जिले की निर्वाचन व्यवस्थाओं, स्वीप गतिविधियों, मतदान, मतगणना प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था आदि का समुचित एवं प्रभावी कव्हरेज मीडिया में प्रकाशित एवं प्रसारित किए जाने तथा के लिए मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने जिले के निवासियों को भी निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सहयोग करने तथा मतदाता जागरूकता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए बधाई दी।

विधानसभा क्षेत्र उदयपुरा

देवेन्द्र सिंह पटेल- प्राप्त मत 81456
नरेन्द्र शिवाजी पटेल- प्राप्त मत 124279
करोड़ी लाल- प्राप्त मत 1800
बाबूलाल - प्राप्त मत 3120
नरेन्द्र सिंह- प्राप्त मत 1221
विनोद सिंह - प्राप्त मत 672
महेन्द्र कुमार - प्राप्त मत 908
नोटा - प्राप्त मत - 2032

विधानसभा क्षेत्र भोजपुर

सुरेन्द्र पटवा - प्राप्त मत 119289
राजकुमार पटेल - प्राप्त मत 78510
मनोज चौहान - प्राप्त मत 439
नयनतारा डॉ धर्मेन्द्र अहिरवार - प्राप्त मत 700
मनोज कुमार चौबे - प्राप्त मत 195
गुंदेश कुमार खामरा - प्राप्त मत 183
चंदन सिंह - प्राप्त मत 206
मोनू - प्राप्त मत 233
सीमा पोर्ते - प्राप्त मत 1668
कमलेश उईके - प्राप्त मत 1994
कैप्टन अनिल कुमार खरे - प्राप्त मत 149
फूलकुमार प्रजापति - प्राप्त मत 275
नोटा - प्राप्त मत 1724

विधानसभा क्षेत्र सांची

डॉ प्रभुराम चौधरी - प्राप्त मत 122960
डॉ जीसी गौतम - प्राप्त मत 78687
गोवर्धन जाटव - प्राप्त मत 115
अमृत बाबू नरवारे - प्राप्त मत 178
सूरजपाल सिंह - प्राप्त मत 1763
मुंशीलाल सिलावट - प्राप्त मत 120
उदयभान सिंह - प्राप्त मत 217
मनोज अहिरवार - प्राप्त मत 573
जगत सिंह - प्राप्त मत 133
राजन - प्राप्त मत 98
भीकम सिंह - प्राप्त मत 239
चरण सिंह - प्राप्त मत 126
नोटा - प्राप्त मत 1616

विधानसभा क्षेत्र सिलवानी

रामपाल सिंह - प्राप्त मत 84481
देवेन्द्र पटेल - प्राप्त मत 95935
तलत खान - प्राप्त मत 1929
मुईन उद्दीन - प्राप्त मत 718
ठा. प्रदीप सिंह - प्राप्त मत 256
मनोज - प्राप्त मत 368
नरेन्द्र सिंह - प्राप्त मत 651
देवेन्द्र - प्राप्त मत 308
नोटा - प्राप्त मत 2022

दूसरी बार विधायक चुने गए उमाकांत, जश्न का माहौल

सिरोंज, देशबन्धु। भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा एक बार फिर विधायक के लिए चुन लिए गए हैं। जनता ने उन पर लगभग पिछले बार की भांति ही अपना विश्वास जताया है। ज्ञात रहे कि पिछली बार उमाकांत शर्मा करीब 33000 वोटों से विजय हुए थे और इस बार उनकी जीत का थोड़ा अंतर कम रह गया। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 147 सिरोंज के रिटर्निंग आफीसर हर्षल चौधरी ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा को 97387 मत प्राप्त हुए है उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के गगनेन्द्र रघुवंशी को 69878 मत मिले। भाजपा के उमाकांत शर्मा 27509 मतों से विजयी हुए है। उनकी जीत के बाद नगर में इन सभी बातों पर विराम लग गया कि इस बार उमाकांत का चुनाव जितना मुश्किल है। सोशल मीडिया पर शर्मा के खिलाफ किए जा रहे दुष्प्रचार के बाद अब आज कोई ऐसी पोस्ट फेसबुक पर नहीं दिखाई दी जिससे शर्मा का विरोध प्रकट हो।

आज सुबह से ही नगर में जश्न का माहौल था और भाजपा व उमाकांत के समर्थक उस समय का इंतजार कर रहे थे कब चुनाव परिणाम की घोषणा हो और जैसे-जैसे शर्मा को बढ़त मिलती गई लोगों के सब्र का बांध टूट गया और वे 9-10 राउंड की गिनती के बाद से ही पटाखे और जश्न मानने लगे। कठाली बाजार से भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल ढमाकों के साथ जुलूस निकाला जो उमाकांत शर्मा के निवास पर जाकर जश्न में तब्दील हुआ। चुनाव परिणाम के चलते भारी जश्न का माहौल आज शहर में रहा है। शर्मा के विजयी होने के बाद अब नगर की जनता को उनके सिरोंज आगमन का इंतजार है ताकि वह अपनी खुशियों को जुलूस आदि निकाल कर मना सके। विधायक उमाकांत शर्मा आज गिनती के दौरान स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा में नजर आए और मेघालय से आए प्रेक्षक की उन्होंने सराहना की। शर्मा ने सभी पार्टियों और अधिकारियों का शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराने पर धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

कानून व्यवस्था बनाये रखने शहर में पुलिस ने निकल फ्लैग मार्च

छतरपुर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन मतगणना के दौरान शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने हेतु छतरपुर नगर में फ्लैग मार्च निकाला गया है। आम जनमानस से प्रशासन एवं पुलिस का सहयोग कर शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील करते हुए फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस उप महानिरीक्षक ललित शाक्यवार एवं पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के निर्देशन में अति.पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा छतरपुर नगर में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान मतगणना परिसर एवं संपूर्ण छतरपुर नगर के मार्गो, समस्त चौराहों, सागर रोड, नौगांव रोड, महोबा रोड, पन्ना रोड, देरी रोड, सटई रोड एवं विभिन्न मार्गों, बस स्टैंड, बाजार परिसर तथा नगरीय क्षेत्र का भ्रमण करते हुवे मतगणना के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस तथा प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। साथ ही लोगो से यह अपील की गई कि किसी भी व्यक्ति द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जाता है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दे 7 साथ ही नगर के समस्त नागरिकों को सुरक्षित परिवेश का एहसास कराया।

फ्लैग मार्च के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक छतरपुर अमन मिश्रा, रक्षित निरीक्षक रक्षित केंद्र पूर्णिमा मिश्रा, थाना कोतवाली प्रभारी अरविंद कुजूर, थाना सिविल लाइन प्रभारी कमलेश साहू, थाना ओरछा रोड प्रभारी उपमा सिंह ठाकुर, थाना प्रभारी अजाक रूप सिंह , महिला थाना प्रभारी अंजलि उदैनिया, यातायात प्रभारी दलवीर सिंह मार्को, सूबेदार नृपेंद्र सिंह एवं पुलिस बल मौजूद रहा।

हाथी की चाल में फंसकर कांग्रेस के पंजे से निकल गई छतरपुर सीट

छतरपुर, देशबन्धु। इस बार के चुनाव में कांग्रेस के सामने कांग्रेस से बगावत करके बसपा के हाथी पर सवार डीलमणि सिंह ने जो किया है उससे कांग्रेस के हाथ से एक सीट निकल गई है। छतरपुर सीट पर हर बार कांग्रेस की राह में बसपा रोडा बनकर उभरी है।

विधानसभा चुनाव के परिणाम के अनुसार यहां से कांग्रेस के विधायक आलोक चतुर्वेदी को 70720 मत मिले और उनकी हार हो गई। जबकि कांग्रेस से बगावत करके बसपा से चुनाव लडने वाले डीलमणि सिंह को 14184 मत मिले हैं। ऐसा माना जा रहा है कि बसपा के खाते में जो मत आये हैं उनसे सीधे कांग्रेस को नुकसान हुआ है। जिससे छतरपुर सीट पर कांग्रेस को पराजय का मुंह देखना पडा है। इस चुनाव के पहले तक डीलमणि सिंह और कांग्रेस विधायक आलोक चतुर्वेदी के हाथ मिले हुये थे। मगर अपनी उपेक्षा से त्रस्त होकर डीलमणि सिंह ने कांग्रेस का साथ छोडकर बसपा का दामन थामा था। जब दोनों के बीच खुला विरोध हो गया तो चुनाव प्रचार के दौरान आलोक चतुर्वेदी के कडवे बोलों ने विरोध को और बढा दिया। अंतत: वही हुआ जिसका अनुमान सबको था। कांग्रेस के खाते के वोट कटकर बसपा के खाते में चले जाने से कांग्रेस को पराजय का मुंह देखना पडा है। बात करें 2008 के चुनाव की, तो इस चुनाव में ललिता यादव 30446 मत पाकर चुनाव जीतकर विधायक बनी थीं। उस समय बसपा से चुनाव लडे डीलमणि सिंह ने उन्हें सीधे चुनौती देकर 22591 मत हासिल किये और दूसरे नंबर पर आये थे।

6 विधानसभा सीटों में कांग्रेस व भाजपा का 3-3 पर कब्जा

मुरैना से दिनेश गुर्जर, दिमनी से नरेंद्र तोमर, अंबाह से देवेंद्र सखवार, सुमावली से ऐदल सिंह, जौरा से पंकज उपाध्याय, सबलगढ़ से सरला रावत विजयी

मुरैना, देशबन्धु। रविवार को मुरैना जिले की 6 विधानसभा सीटों की मतगणना प्रातः8 बजे आरंभ हुई और दोपहर बाद स्थिति स्पष्ट हो गई तथा जिले की तीन-तीन विधानसभा सीटों पर कांग्रेस व भाजपा का कब्जा रहा। प्रतिष्ठापूर्ण जिले की दिमनी विधानसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने प्रतिदिन दी बसपा के बलवीर सिंह को भारी मतों से हराया।

मुरैना जिले की 6 विधानसभा सीट मुरैना, दिमनी, अंबाह, सुमावली, जौरा एवं सबलगढ़ के लिए रविवार की सुबह आरंभ हुई। मतगणना में बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशियों ने जिले की दिमनी, सुमावली एवं जौरा विधानसभा मैं कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंत के राउंड में वह पीछे होते चले गए। मतगणना पूरी होने के पश्चात जिला कलेक्टर एवं निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना द्वारा सभी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें सर्टिफिकेट जारी किए गए। इसके पश्चात निर्वाचित प्रत्याशियों ने जनता को धन्यवाद दिया।

मुरैना विधानसभा सीट से कांग्रेस ने की जीत दर्ज: मुरैना विधानसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी दिनेश गुर्जर को 73695, भाजपा प्रत्याशी रघुराज कंसाना को 53824 एवं बसपा प्रत्याशी राकेश रुस्तम सिंह को 37167 मत मिले और कांग्रेस प्रत्याशी 19871 मतों से निर्वाचित घोषित किए गए।

सुमावली में पूर्व मंत्री ऐदल सिंह विजयी: सुमावली विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी तीसरे नंबर पर रहे। यहां भाजपा प्रत्याशी ऐदल सिंह कंसाना को 72508, बसपा के कुलदीप सिंह सिकरवार को 56500 एवं कांग्रेस प्रत्याशी अजब सिंह कुशवाह को 55289 वोट मिले और भाजपा प्रत्याशी 16008 वोटो से चुनाव जीत गए।

सबलगढ से भाजपा की सरला विजयी: सबलगढ़ विधानसभा में भाजपा एवं कांग्रेस में कडा मुकाबला हुआ, जिसमें भाजपा प्रत्याशी श्रीमती सरला विजेंद्र रावत को 66787 कांग्रेस प्रत्याशी बैजनाथ कुशवाह को 56982 एवं बसपा प्रत्याशी सोनी धाकड़ को 51153 वोट मिले तथा भाजपा प्रत्याशी 9805 वोटो से निर्वाचित घोषित की गई।

जौरा में पंकज ने सर्वाधिक मतों से की जीत दर्ज: जिले की जौरा विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी की पूरे जिले में बड़ी जीत हुई और यहां भाजपा के सूबेदार सिंह सिकरवार को कांग्रेस प्रत्याशी ने बड़े अंतर से हराया। यहां कांग्रेस प्रत्याशी पंकज उपाध्याय को 89253, भाजपा प्रत्याशी सूबेदार सिंह को 58972 एवं बसपा प्रत्याशी सोनेराम कुशवाह को 37038 मत मिले और इस तरह कांग्रेस प्रत्याशी 30281 वोटो से निर्वाचित घोषित हुए।

केन्द्रीय मंत्री तोमर ने बसपा को दी मात: जिले की दिमनी विधानसभा चर्चित सीट से केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी बलवीर सिंह डण्डोतिया ने कड़ी टक्कर दी और आरंभ के लगभग 11 राउंड तक वह भारी बढ़त बनाकर चले, लेकिन बाद के 7 राउंड में वह पिछड़ते चले गए और अंत में वह भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र सिंह तोमर से 24461 मतों से हार गए। इस विधानसभा में भाजपा के नरेन्द्र सिंह को 79137, बसपा के बलवीर सिंह डण्डोतिया को 54676 एवं कांग्रेस के रविन्द्र सिंह तोमर को 24006 मत प्राप्त किए।

कांग्रेस के देवेन्द्र ने भाजपा के कमलेश को हराया: जिले की सुरक्षित अंबाह सीट से शुरूआती राउंड से ही कांग्रेस के प्रत्याशी देवेंद्र सखवार लगातार भाजपा प्रत्याशी से प्रत्येक राउंड में बढ़त बनाते चले गए और अंत में 22109 मतों से निर्वाचित घोषित हुए। अंबाह विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र सखवार को 79274, भाजपा प्रत्याशी कमलेश जाटव को 57165 एवं बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी रामबरन को 4146 वोट ही प्राप्त हुए।

सार समाचार

हाथी की चाल में फंसकर कांग्रेस के पंजे से निकल गई छतरपुर सीट

छतरपुर, देशबन्धु। इस बार के चुनाव में कांग्रेस के सामने कांग्रेस से बगावत करके बसपा के हाथी पर सवार डीलमणि सिंह ने जो किया है उससे कांग्रेस के हाथ से एक सीट निकल गई है। छतरपुर सीट पर हर बार कांग्रेस की राह में बसपा रोडा बनकर उभरी है।

विधानसभा चुनाव के परिणाम के अनुसार यहां से कांग्रेस के विधायक आलोक चतुर्वेदी को 70720 मत मिले और उनकी हार हो गई। जबकि कांग्रेस से बगावत करके बसपा से चुनाव लडने वाले डीलमणि सिंह को 14184 मत मिले हैं। ऐसा माना जा रहा है कि बसपा के खाते में जो मत आये हैं उनसे सीधे कांग्रेस को नुकसान हुआ है। जिससे छतरपुर सीट पर कांग्रेस को पराजय का मुंह देखना पडा है। इस चुनाव के पहले तक डीलमणि सिंह और कांग्रेस विधायक आलोक चतुर्वेदी के हाथ मिले हुये थे। मगर अपनी उपेक्षा से त्रस्त होकर डीलमणि सिंह ने कांग्रेस का साथ छोडकर बसपा का दामन थामा था। जब दोनों के बीच खुला विरोध हो गया तो चुनाव प्रचार के दौरान आलोक चतुर्वेदी के कडवे बोलों ने विरोध को और बढा दिया। अंततः वही हुआ जिसका अनुमान सबको था। कांग्रेस के खाते के वोट कटकर बसपा के खाते में चले जाने से कांग्रेस को पराजय का मुंह देखना पडा है।

बात करें 2008 के चुनाव की, तो इस चुनाव में ललिता यादव 30446 मत पाकर चुनाव जीतकर विधायक बनी थीं। उस समय बसपा से चुनाव लडे डीलमणि सिंह ने उन्हें सीधे चुनौती देकर 22591 मत हासिल किये और दूसरे नंबर पर आये थे। तब कांग्रेस उम्मीदवार संतोष अग्रवाल 15191 मत पाकर तीसरे नंबर पर आये थे। यानि सीधा नुकसान कांग्रेस को हुआ था। 2013 के चुनाव में ललिता यादव ने 44623 मत हासिल करके कांग्रेस के आलोक चतुर्वेदी को हराया था। आलोक को तब 42406 मत मिले थे। तब निर्दलीय चुनाव लडकर डीलमणि सिंह ने 17683 मत पा लिये थे। यानि एक बार फिर से कांग्रेस को ही नुकसान हुआ। ये बात 2018 के चुनाव में समझमें आने पर कांग्रेस उम्मीदवार आलोक चतुर्वेदी ने डीलमणि सिंह से हाथ मिला लिया। नतीजा कांग्रेस की जीत के रूप में सामने आया। तब कांग्रेस के आलोक को 65774 मत मिले और भाजपा की पराजय हो गई। मगर पांच साल में आलोक चतुर्वेदी और डीलमणि सिंह के बीच दरार ऐसी पडी की डीलमणि ने कांग्रेस छोडकर बसपा का दामन थामकर कांग्रेस के आलोक को सबक सिखाने की ठान ली। अंततः डीलमणि ने ये कर दिखाया, कांग्रेस के आलोक हार गये। इसका सीधा लाभ भाजपा की ललिता यादव को मिला और वे इस बार 6967 मतों से जीत गई हैं। राजनैतिक हलकों में इस बात की चर्चा है कि यदि आलोक नासमझी में अपने साथी डीलमणि को अलग नहीं करते तो इस चुनाव में उन्हें इतने बुरे हालातों का सामना नहीं करना पडता।

जिले की 5 सीटों पर कमल खिला, कांग्रेस के खाते में आई एक सीट

◆ भाजपा को मिली उम्मीद से ज्यादा कामयाबी

छतरपुर, देशबन्धु। इस बार के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर रही है। कडे मुकाबले के बाद जनमत ने भाजपा को उम्मीद से ज्यादा कामयाबी दिला दी है। जिले की महाराजपुर, चंदला, राजनगर, छतरपुर और बिजावर सीटों पर कमल खिल गया है। जबकि बडामलहरा सीट ही कांग्रेस के खाते में आ सकी है।

इस बार के चुनाव में भाजपा ने जहां प्रधानमंत्री मोदी के नाम से चुनाव लडा वहीं कांग्रेस ने भाजपा पर कई आरोप लगाकर जनता से सुशासन का वादा किया। मगर कांग्रेस का न नारा चला न नेतृत्व। जनता ने इस बार कांग्रेस को नकारकर भाजपा पर भरोसा किया है। मतदाताओं ने भाजपा को जिताकर संकेत दिये हैं कि आमजन को भाजपा की नीति और नीयत में पूरा भरोसा है। मोदी की गारंटी पर ऐतबार है। इसी का परिणाम रहा कि जिले की 5 सीटों पर भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला है। इनमें महाराजपुर, चंदला, राजनगर, छतरपुर और बिजावर सीटों पर भाजपा की जीत से कमल खिल गया है। वहीं कांग्रेस को केवल एक सीट मलहरा की सीट से ही संतोष करना पडा है।

महाराजपुर से भाजपा के कामाख्या प्रताप 26617 मतों से जीते

महाराजपुर विधानसभा सीट का मूड इस बार भाजपा के पक्ष में रहा है। यहां से भाजपा के पूर्व विधायक मानवेन्द्र सिंह के पुत्र कामाख्या प्रताप सिंह को मतदाताओं ने पसंद किया और 76969 मत देकर कमल खिलाया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रत्याशी विधायक नीरज दीक्षित को 26617 मतों से हराया है। नीरज को केवल 50352 मत मिल सके हैं। तीसरे स्थान पर बसपा के इंजी महेश कुशवाहा 19812 मत लेकर आये हैं। कांग्रेस की हार में पार्टी के बागी उम्मीदवार अजय दौलत तिवारी का बडा हाथ रहा है, अजय ने समाजवादी पार्टी से चुनाव लडा और 11828 मत पाकर चैथे नंबर पर रहे हैं। बाकी उम्मीदवार केवल वोट काटने की स्थिति में रहे हैं। इनमें आम आदमी पार्टी के इंजी केआर पटेल 6469, आजाद समाज पार्टी के परसुराम पटेल 1422, निर्दलीय रामपाल अहिरवार 1035, निर्दलीय सचिन चैरसिया 681, निर्दलीय पुस्पेन्द्र अग्रवाल 389, जनअधिकारी पार्टी के गिरजा प्रसाद कुशवाहा 292, निर्दलीय पुरुषोत्तम नायक 249, भागीदारी पार्टी के राकेष प्रजापति 239, निर्दलीय नृपत कुशवाहा को 237 मत मिले है। इन सभी की जमानत जब्त हो गई है। जबकि नोटा में 1679 मत डाले गये हैं।

चंदला से भाजपा के दिलीप 15491 मतों से जीते

सुरक्षित चंदला विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार दिलीप अहिरवार 69668 मत लेकर जीत गये हैं। वे अपने निकटतम उम्मीदवार कांग्रेस के हरप्रसाद अनुरागी से 15491 मतों से विजयी रहे हैं। हरप्रसाद को केवल 54177 मत मिले हैं। तीसरे स्थान पर सपा के पुष्पेंद्र अहिरवार 24977 मत लेकर आये हैं। इनके अलावा बसपा के डीडी अहिरवार को 7124, निर्दलीय प्रेमचंद्र वर्मा 783, राश्ट्रवादी भारत पार्टी के राजा भइया प्रजापति 698, निर्दलीय रामदीन अहिरवार 692, लोक जनषक्ति पार्टी के लखनलाल अनुरागी 649, जनअभियान पार्टी के योगेष प्रजापति को 591 और नोटा को 2135 मत मिले हैं।

राजनगर से भाजपा के अरविंद 5867 मतों से विजयी

राजनगर विधानसभा क्षेत्र में इस बार भाजपा ने कांग्रेस के अजेय किले में सेंध लगाकर कमल खिला दिया है। यहां से भाजपा के अरविंद पटैरिया ने 69698 मत पाकर कांग्रेस के विधायक विक्रम सिंह नाती राजा को 5867 मतों से हरा दिया है। नाती राजा को 63831 मतों से संतोष करना पडा है। भाजपा से बगावत करके बसपा के टिकट पर चुनाव लडने वाले डा घासीराम पटेल को 32195 मत मिल सके हैं। सपा के ब्रजगोपाल पटेल को 6353, आम आदमी पार्टी के राजू पाल 1729, निर्दलीय भूरा पटेल 1443, निर्दलीय नीरज को 977, निर्दलीय विपिन 954, निर्दलीय पूनम अहिरवार 752, निर्दलीय प्रमोद कुमार को 736, मालवा कांग्रेस के इमरान 511, निर्दलीय दषरथ कुशवाहा 483, जनता दल यूनाइटेड की रामकुंवर रैकवार 472, निर्दलीय अजय सिंह यादव को 400, निर्दलीय विपिन शर्मा 399, उमाकांत नामदेव 295, जन अधिकारी पार्टी के हरिओम अहिरवार 291, निर्दलीय राश्ट्रीय गोंडवाना पार्टी के राजकुमार चैरसिया 248, निर्दलीय वीरेन्द्र पटेल को 233 मत मिले हैं। इन सभी की जमानत जब्त हो गई है। वहीं नोटा में 762 मत डाले गये हैं।

छतरपुर से भाजपा की ललिता यादव 6967 मतों से जीतीं

छतरपुर विधानसभा सीट से भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री ललिता यादव चुनाव जीत गई हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी विधायक आलोक चतुर्वेदी को 6967 मतों से पराजित करके छतरपुर में दोबारा भाजपा की किलाबंदी कर दी है। ललिता यादव को 77687 मत मिले जबकि आलोक चतुर्वेदी को केवल 70720 मत मिल सके हैं। यहां से कांग्रेस की पराजय के पीछे बहुजन समाज पार्टी के डीलमणि सिंह का सबसे बडा हाथ रहा है। डीलमणि सिंह 14184 मत हासिल करके तीसरे स्थान पर आये हैं। इनके अलावा चैथे स्थान पर आम आदमी पार्टी के भागीरथ पटेल को 2321, जनअधिकारी पार्टी के प्रेमचंद्र अहिरवार 1464, सपा के बीपी चंसोरिया 894, निर्दलीय हरिश्चंद्र राज 437, निर्दलीय ललता यादव 424, निर्दलीय रामचरण अहिरवार 405, निर्दलीय दीपक अहिरवार 364, निर्दलीय नवाब खान 346, निर्दलीय मनोज अग्रवाल 259, निर्दलीय जवाहर लाल द्विवेदी 204, सपाक्स पार्टी से राजा प्रजापति को 138 मत मिले हैं। इन सभी की जमानत जब्त हो गई है। यहां नोटा में 1350 मत डाले गये हैं।

बिजावर से भाजपा विधायक राजेश शुक्ला 32462 मतों से विजयी

बिजावर विधानसभा सीट से विधायक राजेश शुक्ला ने 32462 मतों से भाजपा का कमल खिला दिया है। उन्हें 88223 मत मिले हैं जबकि राजेश के निकटतम उम्मीदवार कांग्रेस के चरण सिंह को 55761 मत मिले सके है। बसपा के महेन्द्र कुमार गुप्ता को 10443, आम आदमी पार्टी के अमित भटनागर 4185, आजाद समाज पार्टी के चेतराम अहिरवार 1885, निर्दलीय मो फरीद 988, निर्दलीय जगदीष 963, निर्दलीय भागीरथ तिवारी 841, निर्दलीय रामदेवी अहिरवार 818, समाजवादी आम जनता पार्टी के ब्रजीराज यादव 627, निर्दलीय जगदीष प्रसाद मिश्रा 480, भारतीय षक्ति चेतना पार्टी के परमलाल पटेल 457, भारतीय सभ्यता पार्टी के लीलाधर राजपूत 345 और निर्दलीय चरण सिंह यादव को 294 मत मिले है। इन सबकी जमानत जब्त हो गई है। यहां नोटा में 1433 मत डाले गये हैं।

बडामलहरा से कांग्रेस की रामसिया 21534 मतों से विजयी

बडामलहरा विधानसभा सीट ही एक ऐसी सीट है जहां कांग्रेस को कामयाबी मिली है। ये कामयाबी कांग्रेस उम्मीदवार रामसिया भारती ने 89053 मत पाकर दिलाई है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी को 21534 मतों से पराजित किया है। प्रद्युम्न सिंह को केवल 67521 मत मिले हैं। इनके अलावा यहां से निर्दलीय करन सिंह लोधी को 4220 मत, बसपा के लखनराम 1860, आम आदमी पार्टी की चंदा 1751, निर्दलीय सरमन कुशवाहा 1182, निर्दलीय बालकिशन काछी 1080, निर्दलीय हरिसिंह गोंग 858, निर्दलीय पंचू अहिरवार 433, निर्दलीय धर्मेन्द्र कुमार साहू 401, भारतीय षक्ति चेतना पार्टी के देवेन्द्र लोधी 394, निर्दलीय नारायण अहिरवार 365, विंध्य जनता पार्टी अनुज यादव 322, निर्दलीय आशुतोष पाठक 295, निर्दलीय अर्जुन सिंह चंदेल को 262 मत मिले हैं। यहां नोटा में 1118 मत डाले गये हैं।

कानून व्यवस्था बनाये रखने शहर में पुलिस ने निकल फ्लैग मार्च

छतरपुर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन मतगणना के दौरान शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने हेतु छतरपुर नगर में फ्लैग मार्च निकाला गया है। आम जनमानस से प्रशासन एवं पुलिस का सहयोग कर शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील करते हुए फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस उप महानिरीक्षक ललित शाक्यवार एवं पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के निर्देशन में अति.पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा छतरपुर नगर में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान मतगणना परिसर एवं संपूर्ण छतरपुर नगर के मार्गो, समस्त चौराहों, सागर रोड, नौगांव रोड, महोबा रोड, पन्ना रोड, देरी रोड, सटई रोड एवं विभिन्न मार्गो, बस स्टैंड, बाजार परिसर तथा नगरीय क्षेत्र का भ्रमण करते हुवे मतगणना के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस तथा प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। साथ ही लोगो से यह अपील की गई कि किसी भी व्यक्ति द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जाता है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दे 7 साथ ही नगर के समस्त नागरिकों को सुरक्षित परिवेश का एहसास कराया।

फ्लैग मार्च के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक छतरपुर अमन मिश्रा, रक्षित निरीक्षक रक्षित केंद्र पूर्णिमा मिश्रा, थाना कोतवाली प्रभारी अरविंद कुजूर, थाना सिविल लाइन प्रभारी कमलेश साहू, थाना ओरछा रोड प्रभारी उपमा सिंह ठाकुर, थाना प्रभारी अजाक रूप सिंह, महिला थाना प्रभारी अंजलि उदैनिया, यातायात प्रभारी दलवीर सिंह मार्को, सूबेदार नृपेंद्र सिंह एवं पुलिस बल मौजूद रहा।

बस स्टैंड पर सुविधा कम, यात्रियों को असुविधा ज्यादा

छतरपुर, देशबन्धु। शहर में मौजूद श्यामा प्रसाद मुखर्जी अंतरराज्यीय बस स्टैंड की समस्याओं के चलते यात्रियों की समस्याएं बढ़ रहीं हैं। यहां सुविधाएं कम और यात्रियों के लिए असुविधाएं ज्यादा हैं।

बस स्टैंड के बाहर जाम, अंदर अव्यवस्थाओं से लोग परेशान हैं। रोजाना 400 बसों के संचालन से पुराने समय का बस स्टैंड नाकाफी साबित हो रहा है बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए न प्रतीक्षालय साफ और व्यवस्थित हैं, न पीने के पानी की व्यवस्था है। बस स्टैंड परिसर में कहीं भी रखी गुमटियों, बसों के आगे अड़ाकर खड़े किए फल व अन्य खाद्य-पेय बिक्री के हाथ ठेले व आटो के कारण बसों व यात्रियों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। बस स्टैंड के प्रवेश द्वार पर दिन में कई बार जाम लग जाना आमबात है। ऐसे में लोगों को खासी परेशानी होती है। परिसर में आवारा मवेशी विचरण करते रहते हैं। अतिक्रमण करने वाले अपने दुकान की हद और सीमाएं भूलकर परिसर में कब्जा किए हैं, जिससे बसों के लिए जगह कम पड़ने लगी है। परिसर में बेतहाशा अतिक्रमण होने के कारण यहां सुबह से लेकर रात तक जाम की स्थिति बनी रहती है। बस स्टैंड नंबर एक और दो पर प्रवेश भर से आने वाले यात्री वाहन मुख्य मार्गो पर खड़े होकर सवारियों को बैठाते-उतारते हैं। इस कारण यात्रियों को बस स्टैंड के अंदर जाने में भारी मशक्कत करना पड़ती है।

रोज होता है करीब 400 बसों का आवागमन

शहर के व्यस्त बस स्टैंड पर दिन में रोज करीब 400 से अधिक बसों का आवागमन होता है। यहां से यूपी रोडवेज, मप्र परिवहन की बसों के साथ बहुत सारीं प्राइवेट बसें इंदौर, भोपाल, प्रयागराज, झांसी, आलीगढ़, उज्जैन, कानपुर, चित्रकूट, अजमेर, कोटा, नागपुर, महोबा, बांदा, दमोह, जबलपुर, पन्ना, सतना, रीवा, टीकमगढ़, गौरिहार, लवकुशनगर, महाराजपुर, बिजावर, हरपालपुर सहित अनेक शहरों और नगरों के लिए चलती हैं। ऐसे में यहां सुबह सात बजे से रात 10 बजे तक बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही बनी रहती है। इतनी बड़ी संख्या में बसों व यात्रियों के लिए परिसर अतिक्रमण व अव्यवस्था के कारण संकरा हो जाने से परेशानी बढ़ गई है।

ऑटो वालों ने बढ़ाई यात्रियों की परेशानी

बस स्टैंड पर जैसे ही बसे पहुंचती है, वैसे ही आटो चालक बस स्टैंड के मुख्य मार्ग पर वाहन को खड़ा कर देते हैं। बसों को चारों ओर से घेरकर आटो चालक सवारियों को जबरन खींचकर अपने आटो में बैठाने के चक्कर में अन्य लोगों का वहां से निकलना मुश्किल कर देते हैं। कई बार तो बस के चारों ओर आटो खड़े कर दिए जाते से यात्री बस से उतरने के लिए वाहन की खिड़की तक नहीं खोल पाते हैं। इन असुविधाओं की ओर किसी का ध्यान नहीं है।

दूसरी बार विधायक चुने गए उमाकांत, जश्न का माहौल

सिरोंज, देशबन्धु। भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा एक बार फिर विधायक के लिए चुन लिए गए हैं। जनता ने उन पर लगभग पिछले बार की भांति ही अपना विश्वास जताया है। ज्ञात रहे कि पिछली बार उमाकांत शर्मा करीब 33000 वोटों से विजय हुए थे और इस बार उनकी जीत का थोड़ा अंतर कम रह गया। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 147 सिरोंज के रिटर्निंग आफीसर हर्षल चौधरी ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा को 97387 मत प्राप्त हुए है उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के गगनेन्द्र रघुवंशी को 69878 मत मिले। भाजपा के उमाकांत शर्मा 27509 मतों से विजयी हुए है। उनकी जीत के बाद नगर में इन सभी बातों पर विराम लग गया कि इस बार उमाकांत का चुनाव जितना मुश्किल है। सोशल मीडिया पर शर्मा के खिलाफ किए जा रहे दुष्प्रचार के बाद अब आज कोई ऐसी पोस्ट फेसबुक पर नहीं दिखाई दी जिससे शर्मा का विरोध प्रकट हो।

आज सुबह से ही नगर में जश्न का माहौल था और भाजपा व उमाकांत के समर्थक उस समय का इंतजार कर रहे थे कब चुनाव परिणाम की घोषणा हो और जैसे-जैसे शर्मा को बढ़त मिलती गई लोगों के सब्र का बांध टूट गया और वे 9-10 राउंड की गिनती के बाद से ही पटाखे और जश्न मानने लगे। कठाली बाजार से भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल ढमाकों के साथ जुलूस निकाला जो उमाकांत शर्मा के निवास पर जाकर जश्न में तब्दील हुआ। चुनाव परिणाम के चलते भारी जश्न का माहौल आज शहर में रहा है। शर्मा के विजयी होने के बाद अब नगर की जनता को उनके सिरोंज आगमन का इंतजार है ताकि वह अपनी खुशियों को जुलूस आदि निकाल कर मना सके। विधायक उमाकांत शर्मा गिनती के दौरान स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा में नजर आए और मेघालय से आए प्रेक्षक की उन्होंने सराहना की। शर्मा ने सभी पार्टियों और अधिकारियों का शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराने पर धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

चुनाव की परिणाम के बाद पूर्व विधायक के निवास पर उपद्रव

गंज बासौदा, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव की परिणामों की घोषणा होते ही भाजपा समर्थकों ने पार्टी की ही पूर्व विधायक लीना जैन के निवास पर पटाखे चलाएं और जलते पटाखों को उनके घर में फेंक दिया। उनके निवास पर 50-60 लोगों की भीड़ ने काफी देर तक उपद्रव किया। यह लोग गाली-गलौज करते हुए धमकियां देते रहे कि अब हमारा विधायक बन गया है,तुम लोगों को बासौदा में नहीं रहने देंगे। भीड़ शांत होते ने देख पूर्व विधायक ने थाना प्रभारी को शिकायत की और लिखित आवेदन भी प्रस्तुत किया।

केन-बेतवा लिंक परियोजना से पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघों का आवास खतरे में

छतरपुर, देशबन्धु। केन-बेतवा लिंक परियोजना के चलते पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघों के प्रमुख आवास खतरे में पड़ने वाला है। पार्क का 10 फीसदी से ज्यादा हिस्सा पानी में डूब सकता है।

यदि इस क्षेत्र के कुल क्षेत्रफल की बात की जाए तो वो करीब 58.03 वर्ग किलोमीटर के बराबर बैठता है। वहीं अप्रत्यक्ष रूप से इस परियोजना के चलते बाघों के प्रमुख आवास का करीब 105.23 वर्ग किलोमीटर का हिस्सा खतरे में है। क्योंकि इस परियोजना के कारण न केवल उनके आवास को नुकसान होगा। साथ ही, उन्हें जोड़े रहने वाले रास्तों पर भी इसका असर पड़ेगा।

इस बात में कोई शक नहीं कि इस परियोजना की मदद से बुंदेलखंड क्षेत्र में रह रहे लोगों को सूखे से बड़ी राहत मिलेगा। पर वहीं दूसरी तरफ अनुमान है कि परियोजना के चलते मध्य प्रदेश (एमपी) में पन्ना टाइगर रिजर्व का एक बड़ा हिस्सा पानी में डूब जाएगा, जो वहां बाघों का प्रमुख आवास (क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट) भी है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि इस परियोजना के चलते इस रिजर्व के काफी क्षेत्र में मौजूद जैव विविधता पर भी व्यापक असर पड़ेगा।

बड़ी मशक्कत से बसाये गए थे बाघ

देखा जाए तो पन्ना टाइगर रिजर्व देश भर में बाघों के संरक्षण की सबसे सफल परियोजनाओं में से एक है। इसकी सफलता का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि जहां 2009 में इस रिजर्व में एक भी बाघ नहीं था। वहीं 2019 में उनकी संख्या बढ़कर 54 पर पहुंच गई थी। बाघों के सफल स्थानान्तरण के अलावा, यह रिजर्व सांभर, चीतल, ब्लू बुल, चिंकारा और चौसिंघा जैसी प्रजातियों का घर भी है। ये बात भी खास है कि इस परियोजना के चलते जो क्षेत्र जलमग्न हो सकता है उसमें सागौन के पेड़ बहुतायत में हैं। अनुमान है कि इस जलमग्न क्षेत्र में मौजूद वृक्षों की जैव विविधता पूरी तरह खत्म हो जाएगी। इस परियोजना के लिए जो बांध प्रस्तावित है उसकी कुल ऊंचाई करीब 77 मीटर है, ऐसे में यह इस क्षेत्र में मौजूद गिद्धों के घोंसलों और शिकार स्थल को भी प्रभावित करेगा।

2 लाख लीग होंगे विस्थापित

इस परियोजना की वजह से बुंदेलखंड क्षेत्र के 20,000 लोगों को विस्थापित होना पड़ेगा। जिसकी वजह से उनके पुनर्वास की समस्या पैदा हो जाएगी। इससे पहले राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) और भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त सेंट्रल एम्पावर्ड कमिटी (सीईसी) भी इस परियोजना के कारण 105 वर्ग किलोमीटर में फैले बाघों के प्रमुख आवास के जलमग्न होने और उसके बिखराव पर अपनी चिंता जता चुकी है।

सीईसी ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि 'इस भौगोलिक क्षेत्र में मौजूद जैव विविधता, नैसर्गिक गुफाएँ, पेड़ों की विशेष प्रजातियाँ, सैकड़ों प्रकार की घास, झरने, केन नदी के किनारे की जैव विविधता से समृद्ध वनस्पती व तमाम जल जीवों आदि के पर्यावास के रूप में जाना जाता है।

अगर यह परियोजना स्थापित होगी तो हम इस नैसर्गिक संपदा को हमेशा के लिए खो देंगे'। अनुमान है कि केन नदी के ऊपरी प्रवाह पर पहले से ही कई बांध हैं और नए बांध के अलावा लगभग 4000 हेक्टेयर जंगल डूब में आ जाएंगे।

देशबन्धु

सागर, सोमवार 4 दिसम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

क्यों हारी कांग्रेस

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में चार के नतीजे 3 दिसंबर को आ गए। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक चार में से तीन राज्य भाजपा के खाते में और एक कांग्रेस के खाते में जा रहा है। यानी मुकाबला बीजेपी के नाम ही रहा है। तीन में से दो राज्य, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पिछले पांच साल कांग्रेस की सरकार रही और अब अगले पांच साल के लिए सत्ता भाजपा के खाते में जा रही है। वहीं मध्यप्रदेश की सत्ता इस बार नैतिक तरीके से भाजपा के पास आ गई है। पिछली बार कांग्रेस के हाथों से भाजपा ने छल के जरिए सत्ता हथिया ली थी और विधानसभा चुनावों में यह बड़ा मुद्दा भी बना था। लेकिन जनता को शायद सरकार चुराने के इस खेल से खास फर्क नहीं पड़ा या फिर अन्य कारण कांग्रेस के खिलाफ काम कर गए और सत्ता पूरी तरह से भाजपा के हाथ में आ गई है। ये तीनों हिंदी पट्टी के राज्य हैं, और यहां भाजपा बरसों से कांग्रेस से मजबूत रही है। हिंदी पट्टी राज्यों में धर्म का कार्ड कैसे चलना है, इस की विशेषज्ञ भाजपा है। जबकि कांग्रेस उसकी नकल करने के चक्कर में पिट गई। जब लोगों को धर्म के आधार पर ही वोट देना है, तो वो असली छोड़, नकली माल की ओर क्यों देखेंगे। कांग्रेस पता नहीं कब इस बात को समझेगी कि सॉफ्ट हिंदुत्व से वो बीजेपी का मुकाबला नहीं कर पाएगी। बागेश्वरधाम जैसे बाबा के चरणों में सिर नवाने में किसी कांग्रेस नेता की निजी श्रद्धा हो सकती है, और ऐसा करके वह अपनी और अपने परिवार की जीत सुनिश्चित कर सकता है, लेकिन यहां पार्टी आलाकमान की जिम्मेदारी है कि वे पूछें कि इससे कांग्रेस का भला कैसे हो सकता है। जाहिर है कमलनाथ जैसे नेताओं की इस तरह की मनमर्जी पर आलाकमान रोक नहीं लगा पाया और इसका नतीजा कांग्रेस को भुगतना पड़ा है।

इन नतीजों में भाजपा के लिए दक्षिण के दरवाजे एक बार फिर बंद हो गए हैं। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। इन नतीजों की एक और व्याख्या ये है कि देश में दक्षिण और उत्तर भारत की मानसिकता का फर्क पूरी तरह सतह पर आ गया है। कांग्रेस ने जैसी गारंटियां कर्नाटक में दी थीं, वैसी ही तेलंगाना और छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी दी थीं। लेकिन इन गारंटियों का असर दक्षिण भारत में अलग हुआ और उत्तर भारत में अलग रहा। रोजगार, नौकरियों के लिए परीक्षाएं, सस्ता परिवहन, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा, किसानों, मजदूरों के हित, ओबीसी का हक ऐसे तमाम मुद्दों पर उत्तर और दक्षिण भारत की जनता की सोच अलग नजर आई। कर्नाटक के बाद तेलंगाना के लोगों ने कांग्रेस की विकासपरक सोच को धर्म के ऊपर तरजीह दी, लेकिन हिंदी पट्टी में धर्म बाजी मार गया। इन नतीजों में क्षत्रपों के रवैये ने भी कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है। तेलंगाना में कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी का कहना है कि 20 साल की राजनीति में 15 साल वो विपक्ष में रहे हैं और इसने उन्हें जनता से जोड़ा है, नयी पहचान दी है। गौरतलब है कि एबीवीपी से राजनीति की शुरुआत करने वाले रेवंत रेड्डी टीडीपी में भी रहे और फिर कांग्रेस में आए। दो साल पहले ही उन्हें कांग्रेस की राज्य ईकाई की कमान मिली और अपने पर दिखाए इस भरोसे को उन्होंने गलत साबित नहीं होने दिया। तेलंगाना में बीआरएस, एआईएमआईएम और भाजपा की मिली-जुली घेराबंदी को तोड़ते हुए उन्होंने कांग्रेस को आगे निकाला। जाहिर है ये काम एक अकेले के बस का नहीं है, बल्कि पूरे संगठन को साथ लेकर चलने की क्षमता की जरूरत होती है। रेवंत रेड्डी ने इसी क्षमता का परिचय दिया। लेकिन छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्यप्रदेश में तीन की जगह केवल एक प्रतिद्वंद्वी यानी भाजपा से ही कांग्रेस को मुकाबला करना था, उसमें भी छत्तीसगढ़ और राजस्थान में तो उसकी अपनी सरकारें थीं, मगर फिर भी कांग्रेस यहां फेल हो गई, क्योंकि उसके क्षत्रपों ने पार्टी की जगह खुद को जरूरत से अधिक तवज्जो दे दी। पार्टी आलाकमान इन्हें साध नहीं पाया या इन क्षत्रपों का अहंकार पार्टी से बढ़कर हो गया, इसकी विवेचना खुद कांग्रेस को करनी होगी। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान, तीनों जगह कांग्रेस में बड़े पदों पर बैठे नेता भाजपा से अधिक एक-दूसरे से लड़ने में व्यस्त रहे। इस तरह कहा जा सकता है कि इन क्षत्रपों का अहंकार जीत गया, और पार्टी की हार या जीत से इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि फर्क पड़ता होता तो चुनाव के करीब आने पर एकता का दिखावा करने की जगह वे ईमानदारी से अपनी दरारें भरते, ताकि पार्टी को जीत मिलती। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेता न आलाकमान के भरोसे पर खरे उतरे, न स्थानीय कार्यकर्ताओं के। वे केवल अपने अहंकारों की कसौटी पर खरे उतरे। अब ये कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के विचार करने का सवाल है कि इसके बाद इन राज्यों में कांग्रेस को सही अर्थों में वे कैसे पुनर्जीवित करेंगे और कैसे बेलगाम हो चुके नेताओं को काबू में रखेंगे।

कांग्रेस की तीन राज्यों में हार का असर क्या अब इंडिया गठबंधन पर पड़ेगा या 2024 के चुनाव इससे किसी तरह प्रभावित होंगे, अभी ऐसे कुछ सवालों पर चर्चा चलेगी। हालांकि पिछले चुनाव के अनुभव यही बताते हैं कि राज्य जीतने के बावजूद कांग्रेस आम चुनाव हार गई थी। मुमकिन है इस हार से कांग्रेस की तंद्रा भंग हो और वो 2024 की रणनीति तैयार करने में इस बार हुई भूलों से सबक ले सके। अगर कांग्रेस तीन राज्यों में जीत जाती, तो शायद उसके क्षत्रपों की मनमानी और बढ़ जाती और 2024 में उसका अच्छा असर नहीं होता। इस लिहाज से ठीक ही हुआ कि कांग्रेस ने हिंदी पट्टी के राज्यों में हार का स्वाद चख लिया है। देश की असल पहचान और संविधान बचाने के लिए जरूरी है कि उन सामाजिक मूल्यों की पुनर्स्थापना हो, जो बीते दशक में तेजी से दफन कर दिए गए हैं। जिन बातों को न्यू नॉर्मल कहकर सहज स्वीकृति मिल चुकी हैं, वे दरअसल भारत की जड़ों को खोखला कर रही हैं। इसलिए सत्ता का केन्द्रीकरण और व्यक्तिकेन्द्रित राजनीति दोनों को खत्म करना होगा। इंडिया गठबंधन की जीत से यह मुमकिन हो सकता है, इसलिए 2024 के चुनावों पर अब कांग्रेस और गठबंधन के बाकी दलों का फोकस होना चाहिए। हालांकि भाजपा की पूरी कोशिश रहेगी कि मोदी मैजिक जैसे जुमले को वो भारतीय राजनीति का सच बनाने की कोशिश करे।

फिलहाल इस बार के बाद अब यह देखना है कि भाजपा का अहंकार और कितना बढ़ता है, गांधी परिवार पर उसके हमलों में कितनी तेजी आती है और ये भी देखना है कि कांग्रेस कब ईमानदारी से आत्ममंथन कर अपनी गलतियों को सुधारती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि मोहब्बत के कारोबार का जिम्मा केवल राहुल गांधी के कंधों पर नहीं डाला जा सकता, इसमें सबको अपनी हिस्सेदारी निभानी होगी।

उत्तर भारत में भाजपा नहीं जीती कांग्रेस हारी

उत्तर भारत के क्षत्रपों ने कांग्रेस को फिर डुबो दिया। जबकि तेलंगाना के नायक रेवंत रेड्डी ने कर्नाटक के सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की तरह दक्षिण में कांग्रेस की नैया पार लगा दी।

राहुल गांधी का रोल हर जगह समान रहा। खूब मेहनत की। निश्चित ही रूप से उनके साथ पार्टी अध्यक्ष खरगे जी और प्रियंका गांधी की भी पूरी मेहनत रही। मगर उनके नेता कमलनाथ, गहलोत, पायलट, भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव सब अपनी ढपली अपना राग बजाते रहे। किसी को न पार्टी की चिन्ता थी और न ही राहुल की।

नतीजा सबके सामने है। जबकि दक्षिण में कर्नाटक भी और फिर तेलंगाना भी कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने अपना अहं छोड़कर पार्टी के लिए लड़ा। और वहां का नतीजा भी सामने है।

अब फैसला कांग्रेस नेतृत्व को करना है। उसे उत्तर भारत के इन क्षत्रपों पर लगाम लगाना है या फिर ऐसा ही ढीला ढाला रवैया चलते रहने देना है।

राजस्थान में पांच साल से ज्यादा कांग्रेस में भयंकर गुटबाजी चली। 2018 के चुनाव में जाने से पहले गहलोत और पायलट में तलवारें खिंच चुकी थीं। और उसके बाद 2023 में रिजल्ट आने के बाद तक वे म्यानों में वापस नहीं गईं। हमने शायद दो साल पहले लिखा था कि वोट कांग्रेस को मिलते हैं। उसके नेताओं सोनिया गांधी राहुल के नाम पर। उसकी नीतियों को लोग पसंद करते हैं। मगर चुनाव जीतने के बाद क्षत्रप यह समझने लगते हैं कि वोट उन्हें मिले। लोकप्रियता उनकी है और वे अपनी मनमानी करने लगते हैं। हमारी यह बात उस समय कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं की समझ में आई थी। एकाध ने सार्वजनिक रूप से उसका समर्थन कर दिया। बड़ा हंगामा मचा। कांग्रेस के क्षत्रप लाल-पीले हो गए। मगर बात सच थी और आज नुकसान उठाकर कांग्रेस की समझ में आई है।

हमने यह भी लिखा था कि कांग्रेस को राजस्थान में गहलोत और पायलट दोनों को भूलकर तीसरा नेतृत्व तैयार करना चाहिए। मगर कांग्रेस कभी सुनती है? याद रखना चाहिए कि राजस्थान में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां की सबसे बड़ी नेता वसुंधरा राजे को किनारे करके चुनाव लड़ा। मगर कांग्रेस गहलोत और पायलट के बीच झूलती रही। जिस समय पायलट अपने विधायकों को लेकर मानेसर गए कांग्रेस क्या कर रही थी? क्यों नहीं पायलट के खिलाफ एक्शन लिया गया? और फिर जब पार्टी अपना सबसे बड़ा डिसिजन ले रही थी। परिवार के बाहर का अध्यक्ष बनाने का तो गहलोत ने राजस्थान की कहावत के अनुसार मुट्ठी भर बाजरे के लिए हिन्दुस्तान की बादशाहत ठुकरा दी।

कांग्रेस गहलोत को अध्यक्ष बना रही थी। मगर राजस्थानी भाषा के अनुसार गहलोत नट गए। मतलब इन्कार कर दिया। और उसके साथ ही उन्होंने भी पार्टी का अनुशासन तोड़ने का एक बड़ा काम भी कर दिया। कांग्रेस ने वहां विधायक दल की बैठक बुलाई थी। उसमें आब्जर्वर के तौर पर उस समय के राजस्थान इंचार्ज अजय माकन और खरगे जी जिनका नाम उस समय अध्यक्ष पद की रेस में दूर-दूर तक नहीं था गए थे। मगर गहलोत ने अपने समर्थक विधायकों को उसे बैठक में जाने से रोक दिया। कांग्रेस इस पर कोई एक्शन नहीं ले पाई। नतीजा आज राजस्थान के रिजल्ट हैं।

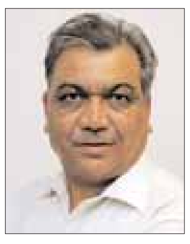

शकील अख्तर

> 2023 कांग्रेस के लिए निराशा का साल बन गया। मगर एक अवसर है। अगर कांग्रेस सीख सके तो। क्षत्रपों पर कंट्रोल। दलाल नेताओं की पहचान। खाली दफ्तर में बैठकर मीडिया के जरिए अपना फोटो चमकाने वालों को तत्काल पदों से हटाना। और अच्छी बात अभी यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अभी अपनी नई टीम घोषित नहीं की है।

मध्य प्रदेश की कहानी तो और भी खराब है। वहां तो कमलनाथ ने अपने आपको भावी मुख्यमंत्री ही लिखवाना शुरू कर दिया था। ये तो सबको मालूम था कि वे किसी से मिलते-जुलते नहीं हैं। मगर यह नहीं मालूम था कि वे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री पूरे टर्म के अखिलेश यादव के लिए ऐसे भी बोल सकते हैं कि अरे छोड़िए भी अखिलेश वखिलेश! और इससे भी आगे जाकर दस साल मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह और उनके विधायक पुत्र जयवर्द्धन सिंह जिनका टिकट बंटवारे से कोई लेना-देना नहीं के लिए यह बोल सकते हैं कि जाकर उनके कपड़े फाड़ो।

दिग्विजय ने एक कार्यक्रम में इस पर कमलनाथ की मौजूदगी में ही हल्के व्यंग्य के साथ एक कमेंट भी किया। मगर पार्टी की एकता बनाए रखने को ध्यान में रखते हुए ज्यादा तूल नहीं दिया। इसके साथ ही बेमतलब की फिल्मी डायलगबाजी की गई। वहां कांग्रेस इन्चार्ज के तौर पर अच्छा-भला बैकग्राउंड में रहकर काम कर रहे वरिष्ठ नेता जयप्रकाश अग्रवाल को अचानक प्रेस नोट जारी करते पद से हटा दिया गया। इतने वरिष्ठ नेता को पहले से जानकारी देना भी कांग्रेस ने उचित नहीं समझा। जिस समय उन्हें हटाने की विज्ञप्ति आई वे कांग्रेस मुख्यालय के अपने आफिस में पत्रकारों को भाजपा पर बाइट दे रहे थे। बता रहे थे कि कांग्रेस कैसे मध्य प्रदेश से भाजपा को हटाएगी मगर उसी समय उन्हीं को हटा दिया गया। उनकी जगह आए रणदीप सुरजेवाला ने उनकी चुपचाप काम करने वाली स्टाइल के विपरीत धूम-धड़ाका शुरू कर दिया। कमलनाथ और दिग्विजय को फिल्म शोले की जय-वीरू की जोड़ी बता दिया। बीजेपी तो इसी के इंतजार में थी। उसने फौरन सवाल किया की फिल्म खत्म होने से पहले एक खत्म हो गया था। वह कौन है? और वह अब कमलनाथ निकले।

कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ ने तारीख तो मध्यप्रदेश में उनके शपथ ग्रहण की बताई थी मगर किस को पता था कि उनकी राजनीति ही खत्म हो जाएगी। कमलनाथ किसी की सुनते नहीं थे। इंडिया गठबंधन ने जिस एंकर का बायकाट किया था उसे वे अपने जहाज में घुमाते हुए इंटरव्यू दे रहे थे। अपने आसपास के लोगों द्वारा रोज सुबह-शाम जय जय कमलनाथ सुनकर उन्हें लगने लगा था कि वे मुख्यमंत्री बन ही गए हैं।

अब बात छत्तीसगढ़ की। जहां कांग्रेस सबसे ज्यादा अपनी जीत सुनिश्चित मान रही थी। भाजपा को दस से ज्यादा सीटें न देने की बात कही जा रही थी। वहां मुख्यमंत्री बघेल, कमलनाथ जैसे अहंकार में तो नहीं थे मगर आत्मुमग्ध थे। उनके आसपास भी ऐसे लोगों की भीड़ जुट गई थी जो करते-धरते तो कुछ नहीं थे मगर रोज आकर बघेल को कहानियां सुनाते थे कि उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है।

तीनों राज्यों में एक बात कॉमन थी कि दो के मुख्यमंत्री गहलोत और बघेल को और तीसरे के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ को चापलूस लोगों ने घेर रखा था। सत्ताधारियों का चाटुकारों और दलालों से घिरा होना कोई खास बात नहीं मगर खास बात यह है कांग्रेस के नेता इनके अलावा किसी और से कोई संपर्क ही नहीं रखते थे।

यहां एक बात और कह दें कि दिल्ली भी अब अपने नेताओं पर निगाह नहीं रख पाती है। इन्दिरा गांधी के समय तक कांग्रेस में एक निगरानी की व्यवस्था थी। बाद में बीच के लोगों ने खुद ही सबकुछ देख लेने की जिम्मेदारी लेकर सब कुछ व्यक्तिगत बना दिया। सिस्टम खत्म कर दिया।

2023 कांग्रेस के लिए निराशा का साल बन गया। मगर एक अवसर है। अगर कांग्रेस सीख सके तो। क्षत्रपों पर कंट्रोल। दलाल नेताओं की पहचान। खाली दफ्तर में बैठकर मीडिया के जरिए अपना फोटो चमकाने वालों को तत्काल पदों से हटाना।

और अच्छी बात अभी यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अभी अपनी नई टीम घोषित नहीं की है। उसे लिस्ट में से उन सब लोगों को निकालकर बाहर कर देना चाहिए जो केवल बातें करते हैं। जिनका कोई काम नहीं है। नए लोगों को जिम्मेदारियां देना चाहिए। गणेश परिक्रमा करने वाले कांग्रेस के सबसे बड़े दुश्मन हैं।

इतनी नफ़रत इतना ज़हर?

■ तनवीर जाफ़री

हमारे भारतीय समाज में धार्मिक सद्भावना की जड़ें इतनी गहरी हैं कि दुनिया भारत के इस सद्भवना पूर्ण इतिहास की मिसालें पेश करती है। भारत को 'अनेकता में एकता' रखने वाले देश के रूप में जाना जाता है। जिस देश में हिन्दू देवी देवताओं के प्रशंसक कवि रहीम, रसखान और जायसी जैसे अनेक कवि हों, जिस देश में अकबर के सेनापति मान सिंह और महाराणा प्रताप के सेनापति हाकिम ख़ान सूर रहे हों, जिस देश में छत्रपति शिवाजी महाराज के कई सेनापति, नेवल कमाण्डर से लेकर उनके गुप्त दस्तावेज़ पढ़ने व उसका जवाब देने वाले मुस्लिम रहे हों, जिस देश की आज़ादी की लड़ाई में क़ुर्बान होने वाले लाखों हिन्दू-मुस्लिम-सिख-ईसाई शहीदों के नाम से पोर्ट ब्लेयर जेल की दीवारें तथा नई दिल्ली के इण्डिया गेट की शिलायें पटी पड़ी हों, जिस देश की सेना में शहीद होकर ब्रिगेडियर उस्मान व वीर अब्दुल हमीद जैसे हज़ारों शहीदों ने अपनी राष्ट्रभक्ति व कर्तव्यपरायणता की मिसाल पेश की हो। जिस देश की मिसाइल व परमाणु सुरक्षा प्रणाली का जनक भारत रत्न मिसाइल मैन ए पी जे अब्दुल कलाम जैसा महान वैज्ञानिक हो, उसी देश में नफ़रत और ज़हर से भरा हुआ संकीर्ण मानसिकता रखने वालों का एक छोटा सा वर्ग ऐसा भी है जो न केवल उपरोक्त तथ्यों को नज़र अंदाज़ करने की कोशिश करता रहता है बल्कि इसके विपरीत साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने तथा नफ़रत के प्रचार प्रसार के काम में भी व्यस्त रहता है। आश्चर्य की बात तो यह है कि इन स्वयंभू राष्ट्रवादियों के पुरखों का न तो देश के स्वतंत्रता संग्राम में कोई योगदान है न ही देश की आज़ादी के लिये लाठियां-गोलियां खाने वालों में इनका कोई ज़िक्र है। परन्तु दुर्भाग्यवश अंग्रेजों की जी हुज़ूरी करने वाले इसी मानसिकता के लोग नफ़रत और साम्प्रदायिक दुर्भावना के सहारे, ख़ासकर देश में हिन्दू-मुस्लिम के मध्य खाई गहरी कर सत्ता में ज़रूर आ गए हैं। और सत्ता में आते ही इनको यह एहसास हो गया है कि चूंकि हमारी सत्ता का आधार ही साम्प्रदायिकता है लिहाज़ा इसे निरंतर 'धार' देते रहना सत्ता में बने रहने के लिये जरूरी है। इसी मकसद के तहत कहीं जिलों, शहरों, कस्बों व स्टेशन्स के नाम बदले जा रहे हैं, मदरसों के खिलाफ कार्रवाइयां हो रही हैं, हलाल का मुद्दा उठाया जा रहा है, जिहाद, लव जिहाद, अज़ान और हिजाब जैसे विषय उछाले जाते हैं, इतिहास बदले जा रहे हैं। नये इतिहास गढ़े जा रहे हैं। हद तो यह है कि धार्मिक पहचान देखकर मॉब लिंचिंग की जाती है, ट्रेन में धर्म विशेष के यात्रियों को गोली मार दी जाती है, संतों जैसे दिखाई देने वाले व्यक्ति द्वारा मुस्लिम महिलाओं का बलात्कार करने की धमकी लाऊड स्पीकर पर दी जाती है।

> ऐसे साम्प्रदायिकता वादियों और समाज में जहर घोलने वाले नफरत के सौदागरों को उनके इस छिछोरेपन का जवाब देने के लिये बातें तो बहुत की जा सकती हैं। परन्तु क्या यह बता सकते हैं कि 6 नवंबर 2005 को देश के सबसे बड़े मंदिरों में से एक दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन जिस समय अक्षरधाम मंदिर के प्रमुख द्वारा देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा कराया गया था उस समय यह नफ़रत के सौदागर कहां मुंह छुपाये बैठे थे ?

पिछले दिनों ऐसी ही ग्रुण मानसिकता के मुट्ठी भर लोगों ने उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर ज़िले के साम्या माता मंदिर में आयोजित शतचंडी यज्ञ के बाद अपनी नफरती हरकतों से विवाद खड़ा कर दिया। दरअसल उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के बलवा गांव के साम्या माता मंदिर में शतचंडी महायज्ञ कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस यज्ञ के मुख्य आयोजक पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला थे जिन्होंने यज्ञ में स्थानीय समाजवादी पार्टी विधायक सैय्यदा खातून को यज्ञ आयोजन की मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया था। हालांकि यह आयोजन पूरी श्रद्धा के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ और विधायक सैय्यदा ख़ातून ने भी इसमें पूरी श्रद्धा व सम्मान के साथ शिरकत की। परन्तु आयोजन समाप्ति के एक दिन बाद नियोजित तरीक़े से इसी आयोजन में नफ़रत का 'एंगल' साम्प्रदायिकतावादियों द्वारा ढूंढ कर इसे विवादित बना दिया गया। एक स्थानीय छुटभैय्ये भाजपा नेता द्वारा अपनी पार्टी व हिंदू संगठन के अपने चंद साथियों के साथ उसी साम्या माता मंदिर में पहुंचकर मंदिर को गंगाजल से धुलवाया गया। नफ़रत के इन सौदागरों का कहना था कि 'विधायक सैय्यदा खातून और उनके समाज को जब मंदिर से कुछ लेना-देना नहीं हैं तो फिर वह हमारे धार्मिक स्थल पर क्या करने आई थीं? हम लोग हर मंगलवार यहां पर पूजा करते हैं। वो लोग मांस खाने वाले हैं, पता नहीं क्या खाकर यहां आए और मंदिर को अपवित्र कर गए ?'

जबकि साम्या माता मंदिर में आयोजित शतचंडी यज्ञ के मुख्य आयोजक और मंदिर प्रमुख पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला का इस विषय पर कहना है कि 'वह मंदिर मेरा है, और आज से नहीं सदियों से हिंदू और मुसलमान इस मंदिर में आते जाते थे। अलग-अलग धर्म के लोग आज भी मंदिर में जाते हैं। ये विवाद किस बात को लेकर फैला रहे हैं हम?' वे सवाल उठाते हैं, 'अगर एक मुसलमान के मंदिर जाने पर मंदिर अपवित्र हो जाता है तो हिंदू भी तो मुसलमानों के तीर्थ स्थानों पर जाते हैं। तो उन्हें भी उनके स्थलों पर नहीं जाना चाहिए? ' पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला कहते हैं, 'हमारे लिए कोई अपवित्र नहीं है. ग्रन्थों में भी यही लिखा है कि मंदिर में जात-पात का कोई भेदभाव नहीं होता है। मंदिर तो धार्मिक स्थल है, वहां कोई भी जाकर के अपना शीश झुका सकता है।' सपा विधायक के निमंत्रण पर 'कृष्णदत्त शुक्ला ने बताया कि जब मंदिर में हमने शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया तो हमारे डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र में जितने भी प्रत्याशी थे हमने सभी को न्यौता दिया था। सबको न्यौता देने के बाद जो हमारे पास आया उसका हमने स्वागत किया। पंडित शुक्ला ने स्पष्ट कहा कि - मंदिर हमारा है, हमारा था और हमारा ही रहेगा। वहां आने वालों में हिंदू और मुसलमान का कोई भेदभाव नहीं है। पहले भी जैसे लोग मंदिर आते-जाते थे, आगे भी वैसे ही आएंगे। उधर विधायक प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश उपाध्याय का इस पूरे मामले पर कहना था कि साम्या माता के शतचंडी यज्ञ में विधायक को न्यौता दिया गया था। विधायक वहां गईं, वहां के पुजारियों ने विधायक का स्वागत सत्कार किया। फिर वहां कुछ दान करके वह वापस चली आईं। जबकि विधायक सैय्यदा ख़ातून इस विषय पर कहती हैं कि विवाद खड़ा करने वालों की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। सोशल मीडिया में और क्षेत्र की जनता के बीच शोहरत पाने के लिए वह ऐसा करते हैं। इन जैसे लोगों की बातों और काम पर मैं ध्यान नहीं देती। ऐसे लोगों को ज़्यादा तवज्जो देने की ज़रूरत नहीं है। विधायक ने कहा कि अगर मेरे क्षेत्र की जनता मुझे बुलाएगी तो मैं ज़रूर जाऊंगी। मेरे लिए मंदिर और मस्जिद, सब खुदा के घर हैं।

ऐसे साम्प्रदायिकता वादियों और समाज में जहर घोलने वाले नफरत के सौदागरों को उनके इस छिछोरेपन का जवाब देने के लिये बातें तो बहुत की जा सकती हैं। परन्तु क्या यह बता सकते हैं कि 6 नवंबर 2005 को देश के सबसे बड़े मंदिरों में से एक दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन जिस समय अक्षरधाम मंदिर के प्रमुख द्वारा देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा कराया गया था उस समय यह नफ़रत के सौदागर कहां मुंह छुपाये बैठे थे ? क्या उनकी अब भी दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर को शुद्ध करने की कोई योजना है ? दूसरी बात यह कि मंदिरों या हवन में प्रवेश करने व शामिल होने के लिये क्या शाकाहारी होना जरूरी है ? यदि जरूरी है, तो फितना फैलाने वाली इसी पार्टी व विचारधारा के तमाम नेता न केवल माँसाहारी हैं बल्कि गोभक्षक भी हैं। देश में सभी धर्मों व जातियों में तमाम मांसाहारी लोग पाये जाते हैं। स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई माँसाहारी थे। देश के गृह मंत्री किरण रिजिजू तो गोभक्षक हैं। इन सबसे किसी को कोई तकलीफ नहीं ? भाजपाई मुस्लिम नेता किसी भी मंदिर में जाएँ तो कोई आपत्ति नहीं परन्तु सपा मुस्लिम नेता यज्ञ में गयीं तो आपत्तिजनक? इस अवसरवादी दोहरे चरित्र को देखकर अक्सर यह ख़याल आता है कि इतनी नफ़रत, इतना ज़हर यह लोग आख़िर लाते कहाँ से हैं ?

गुरुवाणी विचार

तीरथ शब्द विचार अंतर ज्ञान है

बानी गुरु गोविंद सिंहजी की च्वैप्रसादि सव्यै
कहां गयो जो दोऊ लोकन मंद के
बैठ रहियो बक धियान लगाइओ
लोक गयो परलोक गवाइयो
बास कीओ बिखियन सों बैठ के
अैसे ही अैसे सुबांस बिताइओ
साच कहों सुनि लेह सभै
।जिन प्रेम कीओ तिन से प्रभु पाओ।

दसम गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा रचित त्वैप्रसाद सवयै नामक वाणी से ये कुछ पंक्तियां ली गईं पैं। इसमें गुरुदेवजी समझा रहे हैं कि अधिकांश लोग प्रभु परमात्मा की प्राप्ति हेतु दोनों आंखें मूंदकर ध्यान लगाये रहते हैं। तपस्या करते रहते हैं पर किसी विरले का ही ध्यान परमात्मा में लग पाता है। जो प्रभु की प्राप्ति करना तो चाहते हैं पर मन तो उनका भी भटकता ही रहता है। किसी विरले का ही मन प्रभु परमात्मा की बंदगी में जुड़ पाता है। कुछ लोग सात समुद्रों की यात्रा कर तीर्थों में स्नान भी करते हैं यह सोचकर कि इससे प्रभु परमात्मा की प्राप्ति हो पाएगी। पर तीर्थ स्नान करने मात्र से मन तो पवित्र नहीं हो जाता। लौकी (तुम्बी) को अड़सठ तीर्थों में गंगा में डुबो कर ले आओ पर रहती तो कड़वी की कड़वी ही है। तुम्बी अड़सढ़ तीरथ नावें कड़ुआन तो न जावे। तीर्थ स्नान करने मात्र से मन शुद्ध नहीं हो सकता बल्कि तीर्थ सही मायने में प्रभु का नाम सिमरन बंदगी करने पर ही है-

तीरथ नावन जावो तीरथ नाम है।
तीरथ शब्द विचार अंतर ज्ञान है।।

इस तरह बगुले की तरह ध्यान लगाने से, तीर्थों में स्नान करने से आंख बंद कर प्रभु बंदगी ध्यान लगाने से आप अपने आपको धार्मिक तो दिखला सकते हो पर इन बातों से प्रभु परमात्मा की प्राप्ति किसी विरले को ही अगर हमने सही मायने में प्रभु की सिमरन परमात्मा की की प्राप्तिकरनी हैतो मन को सिमरन साची रूपी मथनी से मथना पड़ोग। प्रभु परमात्मा से साची प्रीति लगानी पड़ेगी। जैसे भकत रविदास ने लगाई थी-

साची प्रीत हम तुम सिंओ जोड़ी।
तुम सिंओ जोर अवरसंग तोड़ी।।

इस तरह उपरोक्त किसी भी तरह का कर्मकांड करना प्रभु प्राप्ति का साधन नहीं है बल्कि प्रभु परमात्मा की प्राप्ति हेतु इन कर्मकांडों के साथ साची प्रीत प्रभु परमात्मा से लगानी पड़ेगी। विषय विकारों से मोह भंग करना पड़ेगा। तभी हमें प्रभु की प्राप्ति होगी। हम सांसारिक मोह माया में फंसकर विषय विकारों में गलतान होकर अपने हीरे जैसे मानव जीवन को जो हमें पूर्व जनम के किसी अच्छे पुण्य कर्म के कारण प्राप्त हुआ है। जिसको व्यर्थ ही गंवा रहे हैं। अंतिम पंक्तियों में आप समझा रहे हैं कि सही मायने में जिसने भजन बंदगी कर साध संगत में जाकर प्रभु कथा कीर्तिन में मन रमाकर प्रभुबंदगी की है उसी ने प्रभु परमात्मा से साची प्रीति लगाई है। जिन्होंने प्रभु सिमरन कर अपने मन में विराजमान प्रभु परमात्मा के दर्शन कर लिए हैं। जिसने प्रभु द्वारा बनाए प्रत्येक मानव से प्रेम किया है जरूरतमंदों की मदद की है। नेक कमाई कर उसका दसबंध निकाल दीन दुखियों की सेवा में लगाया है। इस तरह मानव जीवन पाकर हमारा एक सूत्रीय कार्यक्रम होना चाहिए। ऊबर पोषण हेतु कार विहार भी करते रहना है पर मन हमहर वक्त निरंकार से जुड़ा रहना चाहिए। तभी हमारा मानव जीवन पाकर इस धरा पर आना सफल हो सकेगा और तभी हम अपन`जीवन नौका को सुचारू रूप से खेकर इससंसार सागर से पार उतर कर प्रभु की साची दरगाह में स्थान प्राप्त कर पाएंगे। इस लिए- कर बंदे तू बंदगी जिचर घटि में साहो।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

एक्जिट पोल और हकीकत

एक दौर था जब चुनाव सम्पन्न होने के बाद लोग खुलकर बोलने लगते थे तब उनकी बात से जो कयास लगाया जाता वह अधिकांशत: सच के बहुत करीब होता था। जैसे-जैसे मतदाता को यह भान हो गया कि इसे गोपनीय रखना चाहिए उसने अपने दिल की बात कहना कम कर दिया लेकिन एक्जिट पोल का धंधा जोरों से चल पड़ा। जबकि ये आमतौर पर सही साबित नहीं होते। कभी कभार ही किसी की चांदी हो जाती है।

इससे पहले ज़मीन से जुड़े पत्रकार ही इस तरह की अनुमानित विवेचना देते थे जो बहुत कुछ सही साबित होती रही थीं लेकिन जब से मोदी मीडिया उदित हुआ उसने जमीनी सच्चाई से मुख मोड़ लिया है वह आसमान से हाथ हिलाती सत्ता का मुखापेक्षी बन गया है। अब तो एक रणनीति के तहत यह पूरी तरह सरकारी व्यवसाय बन गया है। कुछ सटोरिए भी इस वक्त अच्छी कमाई कर लेते हैं। ये एक्जिट पोल वाले कब, कहां किससे संपर्क करते हैं ये बताने वाला एक भी व्यक्ति मुझे आज तक नहीं मिला। जैसे सब मनगढ़ंत हो इसलिए इन पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। ऊंट किस करवट बैठेगा यह मुहावरा इसलिए अंत में जोड़ा जाता है ताकि अपनी इज्जत बचाई जा सके।

यह पहली बार इस चुनाव में देखा गया कि सरकार विरोधी वोट देने के बावजूद लोग इस भय से कि 'जीतेगा मोदी ही' चुप साध लिए या जबरिया बोलने कहा गया तो उन्होंने मौजूदा सरकार का ही नाम लिया। ईवीएम का खतरा भी वे जानते हैं इसलिए ऊंट किस करवट बैठेगा आसान नहीं रहा है इसलिए ये पोल कांटे की टक्कर या जीत में दस-पच्चीस सीट का अंतर दिखा रहे हैं ताकि चित भी मेरी और पट भी मेरी हो।

बहरहाल जो हालात राजनैतिक नेताओं के चेहरे बता रहे हैं, उसके मुताबिक मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ कांग्रेस जीत रही है। इस जीत की वजह कांग्रेस के दो राज्य राजस्थान और छत्तीसगढ़ ऐसे हैं उनमें मुख्यमंत्रियों ने जो कहा कर दिखाया चाहे चिरंजीवी योजना हो, पेंशन बहाली या एमएसपी और किसान ऋण वापसी जैसे महत्वपूर्ण काम हों।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार गिराई गई इस बात से आमजन, किसान परेशान रहे वरना उन्हें भी ये लाभ मिले होते। मौका आया तो वे हाथ के साथ हो लिए। कांग्रेस पर उनका विश्वास बढ़ा है। कहा जाता शिवराज सरकार ने एक करोड़ लाडली बहना को जो राशि तीन माह से दी है उसका भाजपा को लाभ मिलेगा। सत्य यह है कि महिलाओं का एक बड़ा समूह उमा भारती के समय से भाजपा के साथ है। शिवराज की जीत भी इन्हीं की वजह से हुई इसलिए उसमें वृद्धि नहीं बल्कि जिन्हें नहीं शामिल किया गया वे घट गई है। तेलंगाना में राव और भाजपा की तकरार के बीच कांग्रेस विजय पथ पर अग्रसर है। मिजोरम में कांग्रेस दूसरी बड़ी पार्टी बनती नज़र आ रही है संभावित है वह सत्ता में सहभागी हों।

-सुसंस्कृति परिहार

खेल जगत

तमिलनाडु के गिरीश ने पुरुषों के 6-रेड में जीत हासिल की

चेन्नई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के गिरीश ने रविवार को यहां नेहरू इंडोर स्टेडियम में 90वीं राष्ट्रीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैंपियनशिप के पुरुषों के 6-रेड स्नूकर क्वालीफाइंग में महाराष्ट्र के सुमेर मागो को 4-2 से हराया। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) का प्रतिनिधित्व करने वाले स्थानीय स्टार गिरीश ने क्वालीफाइंग मैच में मागो को 44-41, 21-37, 51-12, 35-55, 42-01, 41-16 से हराया। अन्यत्र, मौजूदा तमिलनाडु 15-रेड स्नूकर चैंपियन पार्थिबा राजेंद्रन ने पुडुचेरी के पूरन कुन को 4-0 से हराया, जबकि उनके राज्य साथी सैयद सिकंदर ने दिल्ली के विष्णु प्रकाश को 4-3 से हराया। हरियाणा की दिव्या शर्मा ने महाराष्ट्र के अभिषेक बजाज पर 4-1 (41-25,44-16, 21-49, 75(75)-0, 39-19) की जीत में चौथे फ्रेम में 75 का अधिकतम ब्रेक दर्ज किया।

रिंकू सिंह में मोहम्मद अली जैसा निडर रवैया है : श्रीसंत

विशाखापत्तनम, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। रिंकू सिंह के आक्रामक और निडर दृष्टिकोण की गूंज के बीच, भारत के पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत का मानना है कि खेल के प्रति 26 वर्षीय खिलाड़ी का रवैया 20वीं सदी के प्रतिष्ठित खेल व्यक्तित्व मुहम्मद अली की याद दिलाता है। आईएएनएस से बात करते हुए, पूर्व दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार पर विचार किया, उन्होंने अपने असाधारण क्षेत्ररक्षण से भारतीय टीम को मात देने के लिए ऑस्ट्रेलिया को श्रेय दिया, जबकि उन्होंने अपनी उम्मीदें भारतीय युवा कंधों पर केंद्रित कीं। टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम तैयार हो रही है।

मैं ईमानदार रहूँगा। ऑस्ट्रेलिया ने हमें पछाड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलियाई तरीके से खेला। लक्ष्य जो 280 से 290 होना चाहिए था, ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्ररक्षकों ने इसे 240 तक रोक दिया। यह वार्नर, लाबुशेन, स्मिथ थे जिन्होंने उन 40 से 50 रनों को बचाया। श्रीसंत ने कहा, खेल का पूरा परिदृश्य बदल गया।

आत्मविश्वास और निडर दृष्टिकोण वाले उभरते सितारे रिंकू ने श्रीसंत का ध्यान खींचा और 40 वर्षीय खिलाड़ी ने युवा बल्लेबाज में मोहम्मद अली की झलक देखी और सभी प्रारूपों में उनके लगातार प्रदर्शन और अपने दिल की बात कहने की उनकी क्षमता की सराहना की। श्रीसंत ने उनके लचीलेपन और रवैये पर प्रकाश डालते हुए कहा, मुझे रिंकू सिंह का आत्मविश्वास पसंद है। वह जिस भी टीम के साथ खेलते हैं, उसके लिए लगातार ऐसा कर रहे हैं, चाहे वह क्लब क्रिकेट हो, चाहे वह टीम क्रिकेट हो, चाहे वह फ्रेंचाइजी हो। वह परवाह नहीं करते, बहकते नहीं लेकिन वह अपने दिल की बात कहते हैं और वह हैं मोहम्मद अली मेरे लिए।

श्रीसंत, जो एम एस धोनी के नेतृत्व में 2007 टी 20 विश्व कप विजेता टीम के प्रमुख सदस्य थे, ने भी अपने करियर के महत्वपूर्ण क्षणों पर विचार किया, उन बाधाओं और लचीलेपन के बारे में बताया जिसने अंततः क्रिकेट के मैदान में उनकी वापसी का मार्ग प्रशस्त किया। श्रीसंत ने कहा, जैसे कि विश्व कप जीतना मेरे करियर में एक मील का पत्थर है। लेकिन मैं और मेरा परिवार जिस दौर से गुजरे उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। इसलिए जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो 39 साल की उम्र में केरल के लिए वापसी करना आसान नहीं था। और साबित करने और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज होने के बाद भी इसे बंद करना एक बहुत ही व्यक्तिगत कॉल जैसा था।

श्रीसंत का सफर किसी रोलरकोस्टर राइड जैसा था. 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने और जनवरी 2022 में केरल का प्रतिनिधित्व करते हुए घरेलू मैचों से संन्यास की घोषणा करने के बाद, अनुभवी क्रिकेटर को कई व्यक्तिगत और व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हालाँकि, 39 साल की उम्र में केरल के लिए उनकी वापसी, जहाँ वे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में उभरे, ने उनके अटूट दृढ़ संकल्प को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। अब, लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में गुजरात जायंट्स की जर्सी पहनकर और स्टुअर्ट बिन्नी के साथ अमेरिकन प्रीमियर लीग (एपीएल) टी20 के दूसरे संस्करण के लिए तैयारी करते हुए, श्रीसंत ने भारत के बाहर फ्रेंचाइजी क्रिकेट द्वारा दिए गए अवसरों की सराहना की। एलएलसी उनके लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक मंच रहा है, जिसमें महान सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने वर्ल्ड जायंट्स के खिलाफ मैच में प्लेयर ऑफ द मैच ट्रॉफी प्रदान करते हुए उनके लचीलेपन को स्वीकार किया था, एक ऐसा क्षण जिसे वह संभावित बायोपिक के अंतिम दृश्य के रूप में देखते हैं। श्रीसंत ने कहा, मैं अपनी फिटनेस में सुधार कर सकता हूं। कोलकाता में वर्ल्ड जायंट्स के खिलाफ मैच में वीरू भाई ने मुझे ट्रॉफी दी और कहा कि यह तुम्हारे लचीलेपन के लिए है। इसलिए यह अभी भी मेरे घर में रखी हुई है, अगर मैं कभी बायोपिक बनाता हूं, तो मुझे लगता है कि फिल्म मेरे हाथ में लीजेंड्स लीग कप के साथ खत्म हो जाएगी।

क्रिकेट के मैदान से बाहर, श्रीसंत सेवानिवृत्ति के बाद काम की पेशकश करने, उन्हें व्यस्त रखने और उनके परिवार के लिए आजीविका के साधन के रूप में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय फिल्म उद्योग को स्वीकार करते हैं।

रिंकू सिंह जिस स्थान को निशाना बना रहे हैं, उसके लिए कई चुनौतियां हैं : आशीष नेहरा

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा का मानना है कि मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह की अगले साल होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की संभावनाएं उज्ज्वल दिख रही हैं, हालांकि साथ ही प्लेइंग इलेवन में जगह के लिए फिनिशर के सामने कई चुनौतियां भी हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही टी20 श्रृंखला में, रिंकू पारी के अंत में अपनी तेज फिनिशिंग के माध्यम से भारतीय टीम में फिनिशर के रूप में पूर्णकालिक पद के लिए अपना दावा मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने विशाखापत्तनम में 14 गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाकर 209 रन के लक्ष्य का अंत किया। तिरुवनंतपुरम में उन्होंने फिर से नौ गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाए और रायपुर में 29 गेंदों पर 46 रन की आकर्षक पारी खेली। सिर की स्थिर स्थिति और अंदर से शांति के साथ, रिंकू एक फिनिशर के रूप में अपने कौशल का प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं, यह भूमिका वह आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए और घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए अच्छी तरह से निभाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि रिंकू सिंह भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल होने के दावेदार हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में डेविड वॉर्नर को जगह, लांस मॉरिस नया चेहरा

मेलबर्न, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान हो गया है। टेस्ट मैचों में ख़राब फ़ॉर्म से जूझ रहे सलामी बल्लेबाज़ डेविड वॉर्नर को 14-सदस्यीय दल में जगह मिली है, जबकि ऑलराउंडर मिचेल मार्श और कैमरन ग्रीन दोनों को भी टीम में शामिल किया गया है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ लांस मॉरिस टीम में नया चेहरा हैं। एशेज सीरीज़ के दौरान पिंडली की चोट से बाहर हुए ऑफ़ स्पिनर नाथन लियोन की टीम में वापसी हुई है। वह टॉड मर्फ़ी की जगह लेंगे। ग्रीन टीम में अतिरिक्त बल्लेबाज़ और मॉरिस व स्कॉट बोलैंड टीम में अतिरिक्त गेंदबाज़ के तौर पर शामिल हैं।

वनडे विश्व कप के दौरान जॉश इंग्लिस से अपनी जगह गंवा चुके एलेक्स कैरी टेस्ट मैचों में विकेटकीपर के रूप में बने हुए हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह ही साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हुए विक्टोरिया के ख़िलाफ़ 81 रनों की पारी खेली थी। वहीं टीम के नए नाम तेज़ गेंदबाज़ मॉरिस भी चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने इस साल सिर्फ़ दो मार्श कप मैच और तीन शेफ़ील्ड शील्ड मैच खेले हैं। हालांकि मेडिकल टीम नें उन्हें अब पूरी तरह से फ़िट घोषित किया है।

वॉर्नर इस सीरीज़ के तीसरे मैच से टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहना चाहते हैं, जो कि उनके घरेलू मैदान सिडनी में होना है। पिछले दो सालों में उनका टेस्ट औसत 30 से भी कम है। हालांकि चयनकर्ताओं का मानना है कि फ़िलहाल वह देश के सर्वश्रेष्ठ दो उपलब्ध सलामी बल्लेबाज़ों में से एक हैं। मार्कस हैरिस, मैट रेनशॉ और कैमरन बैनक्रॉफ़्ट उनकी जगह लेने के प्रबल दावेदार नाम हैं। हालांकि वे अभी पाकिस्तान के ख़िलाफ़ प्रधानमंत्री एकादश टीम में खेलते हुए दिखेंगे, जो इसी बुधवार से शुरू हो रहा है। 14 सदस्यीय टेस्ट दल में ग्रीन ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अभ्यास मैच में भी खेलेंगे । उन्होंने हाल ही में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के लिए क्वींसलैंड के ख़िलाफ़ 96 रनों की पारी खेली थी। ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्र्यू मैक्डोनाल्ड्स ने संकेत दिए हैं कि वॉर्नर के संन्यास लेने के बाद मार्श और ग्रीन टेस्ट एकादश में एक साथ भी खेल सकते हैं। हालांकि इसके लिए बल्लेबाज़ी क्रम को थोड़ा ऊपर-नीचे करना होगा। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पहला टेस्ट 14 दिसंबर से पर्थ में शुरू हो रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई दल : पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वॉर्नर, उस्मान ख़्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर) नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, जॉश हेज़लवुड, मिचेल स्टार्क, लांस मॉरिस

अभिनव चौधरी ने पुरुषों की रैपिड-फायर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली/भोपाल, 3 दिसंबर (एजेंसियां) राजस्थान के अभिनव चौधरी ने भोपाल में चल रही 66वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) रविवार को एमपी राज्य शूटिंग अकादमी रेंज में पिस्टल स्पर्धा में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) का खिताब जीता।

अभिनव ने फाइनल में 30 का स्कोर बनाकर उत्तर प्रदेश के अंकुर गोयल को पछाड़ दिया, जिन्होंने 26 हिट अपने नाम किए। दिल्ली के अर्पित गोयल 21 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अभिनव ने इससे पहले क्वालीफिकेशन में 584 के स्कोर के साथ शीर्ष छह निशानेबाजों के फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई किया था, जो अग्रणी स्कोर भी था। जूनियर पुरुष आरएफपी में, विजयवीर सिद्धू ने फाइनल में 28 हिट के साथ स्वर्ण पदक जीता, और हरियाणा के पेरिस ओलंपिक कोटा विजेता अनीश भनवाला से बेहतर प्रदर्शन किया, जिनके पास 25 थे। पंजाब ने इस स्पर्धा में स्वर्ण और कांस्य जीता जब राजकंवर सिंह संधू ने 20 का स्कोर करके कांस्य पदक जीता।

हालाँकि, अनीश (578) ने पुरुष आरएफपी में समीर (578) और आदर्श सिंह (571) के साथ मिलकर 1727 के संयुक्त प्रयास से टीम स्पर्धा जीती। विजयवीर ने राजकंवर और जुड़वां भाई उदयवीर के साथ जूनियर टीम का स्वर्ण जीता।

एक कप्तान के तौर पर पैट कमिंस मेरी उम्मीदों से कहीं आगे निकले : इयान चैपल

सिडनी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर इयान चैपल ने कहा कि तेज गेंदबाज पैट कमिंस एक कप्तान के रूप में उनकी उम्मीदों से आगे निकल गए हैं। उन्होंने कहा कि वह न केवल टेस्ट क्रिकेट में, बल्कि 50 ओवर के प्रारूप में भी सफल साबित हुए हैं। यह कमिंस के लिए एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है, जहां उनके नेतृत्व में, ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी और इंग्लैंड में अपनी पहली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप गदा जीती और भारत में 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप खिताब जीतकर और अधिक गौरव बढ़ाया, जिसमें पहले दो मैच हारने के बाद लगातार आठ मैच जीते।

कमिंस हमेशा एक अच्छे कप्तान बनने वाले थे। तेज गेंदबाजी कप्तान होने की कठिनाइयों को एक पल के लिए नजरअंदाज करते हुए, वह आसानी से ऑस्ट्रेलियाई टीम में सबसे प्रेरणादायक खिलाड़ी थे, और क्रिकेट के सामान्य ज्ञान से संपन्न खिलाड़ी थे। चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के लिए अपने कॉलम में लिखा, कमिंस ने न केवल खुद को एक योग्य टेस्ट कप्तान साबित किया है, उनका नेतृत्व अब विस्तारित हो गया है और वह 50 ओवर के क्रिकेट में भी सफल हैं। मैंने सोचा था कि वह एक अच्छा कप्तान होगा लेकिन वह मेरी उम्मीदों से कहीं आगे निकल गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि अगर प्रशंसक कमिंस के खेल खेलने के तरीके से प्रेरित नहीं हैं तो वे गलत खेल में हैं। कोई भी क्रिकेटर जो कमिंस से प्रेरित नहीं है वह गलत खेल में है। इसके अलावा, कमिंस बड़े दिल वाले एक उत्कृष्ट तेज गेंदबाज हैं और जब जरूरत होती है तब विकेट लेने की उनकी कला बहुत प्रशंसनीय है। इसे खत्म करने के लिए, वह एक ऐसा गेंदबाज है जो नियमित रूप से विपक्षी टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को परेशान करता है।

ये गुण उन्हें एक प्रेरक कप्तान बनने के योग्य बनाते हैं। बाकी यह ऑस्ट्रेलिया टीम का नेतृत्व करने और यह देखने का मामला है कि वह क्या काम कर सकता है। एक कप्तान के रूप में सुधार करने का एकमात्र तरीका काम करना है, गलत अनुमान लगाना और किसी भी असफलता से तुरंत सीखना है।

चैपल का यह भी मानना है कि कमिंस ने तब तक कप्तान रहने का अधिकार हासिल करने के लिए काफी कुछ किया है, जब तक वह रहना चाहते हैं। विभिन्न देशों और प्रारूपों में और विभिन्न परिस्थितियों में एक कप्तान के रूप में अच्छा प्रदर्शन करके, कमिंस खुद को उस श्रेणी में रख रहे हैं। उस तिकड़ी में से केवल इमरान - शानदार उपस्थिति वाले उत्कृष्ट नेता - तेजी से बढ़ते सीमित ओवरों के क्रिकेट के युग में खेले।

मैं कमिंस को मार्क वॉ और अनिल कुंबले के समान श्रेणी में रखूंगा - भयंकर प्रतिस्पर्धी जो अपने कार्यों से अपने इरादे स्पष्ट रूप से व्यक्त

वॉर्नर अभी भी पहला टेस्ट जीतने वाले हमारे सर्वश्रेष्ठ 11 खिलाड़ियों में हैं : जॉर्ज बेली

पर्थ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ 14 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए डेविड वार्नर के चयन पर तीखा हमला करने के बाद, मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज के समर्थन में सामने आए और कहा कि वह उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करने के लिए अभी भी सबसे अच्छा विकल्प है। इस साल की शुरुआत में, वार्नर ने सिडनी में अपने घरेलू मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट में अपने टेस्ट करियर को समाप्त करने की इच्छा व्यक्त की थी। हालाँकि वार्नर सफेद गेंद वाले क्रिकेट में असाधारण फॉर्म में हैं, उन्होंने 2020 की शुरुआत से केवल 31.79 की औसत से रन बनाए हैं और इस साल पांच एशेज टेस्ट में 28.50 की औसत से केवल 285 रन बनाए हैं।

बेली ने संवाददाताओं से कहा, आखिरकार, हम अभी भी सोचते हैं कि वह पहला टेस्ट जीतने वाले हमारे सर्वश्रेष्ठ 11 खिलाड़ियों में से एक है। मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट, जिस तरह से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक निर्धारित करता है, उसके संदर्भ में, प्रत्येक टेस्ट महत्वपूर्ण है। प्रत्येक मैच के लिए अंक लाइन पर हैं । तो हमारा ध्यान उन 11 को चुनने पर है जो हमें लगता है कि यह काम कर सकते हैं और जाहिर तौर पर इसमें प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका होती है और यह वास्तव में पूरी टीम को कैसे तैयार करता है और हमें लगता है कि डेविड इसके लिए सही व्यक्ति हैं। वार्नर के बारे में आगे बात करते हुए, बेली ने कहा, स्पष्ट रूप से डेव श्रृंखला के माध्यम से सिडनी में समाप्त करना चाहेंगे, और हम इसका पूरा सम्मान करते हैं। हम इस तथ्य को लेकर काफी सुसंगत रहे हैं कि किसी भी खिलाड़ी के साथ, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे एक व्यक्ति के रूप में कैसा प्रदर्शन करते हैं, और वह प्रदर्शन वास्तव में टीम के कार्य में कैसे फिट बैठता है, और यह नहीं बदलेगा।

हमें घरेलू टेस्ट श्रृंखला होने और टेस्ट दर टेस्ट टीम का चयन करने में सक्षम होने का फायदा मिलता है। और यह डेव के लिए विशिष्ट नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि सभी खिलाड़ी, यह प्रदर्शन के बारे में है और यह टीम में कैसे फिट बैठता है जो किसी भी टेस्ट में टीम का स्वरूप तय करेगा। बेली ने यह भी बताया कि ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में वार्नर की जगह लेना एक लंबी यात्रा हो सकती है, जैसा कि 2007 से 2011 तक शेन वार्न के प्रतिस्थापन की खोज करते समय हुआ था।

विपक्षी को दबाव में रखने की क्षमता बहुत खास है, और इसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। जब भी आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जो इतनी लंबी उम्र का हो और किसी भूमिका में इतना प्रभावशाली हो, (यह महत्वपूर्ण है) कि जो भी हो उसकी अपेक्षाओं पर काबू पाया जाए वहां प्रतिस्थापन होने जा रहा है।

फातिमा, शवाल ने पाकिस्तान को न्यूजीलैंड पर ऐतिहासिक महिला टी20 जीत दिलाई

डुनेडिन, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज फातिमा सना के शानदार 3-18 और शवाल जुल्फिकार के 41 रनों की बदौलत पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच सात विकेट से जीत लिया। इस परिणाम का मतलब यह भी है कि पाकिस्तान को न्यूजीलैंड पर पहली महिला टी20 जीत मिली है।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम फातिमा की बेहतरीन गेंदबाजी के कारण 127/6 पर सिमट गई। फातिमा, जो चोट के कारण बांग्लादेश दौरे से चूक गईं, ने बादल छाए रहने की स्थिति का फायदा उठाते हुए 3-18 का शानदार स्पैल डाला, जिसमें बर्नडाइन बेजुइडेनहाउट, केट एंडरसन और सूजी बेट्स के विकेट शामिल थे । कप्तान निदा डार, डायना बेग और आलिया रियाज ने नियमित अंतराल पर एक-एक विकेट लेकर न्यूजीलैंड की पारी को फिर से बनाने के काम को नुकसान पहुंचाया। मैडी ग्रीन सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं, उन्होंने 28 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से नाबाद 43 रन बनाए और न्यूजीलैंड को 120 के पार पहुंचाया। 128 रनों का पीछा करते हुए, पाकिस्तान की शवाल और मुनीबा अली की सलामी जोड़ी ने 40 रनों की अच्छी साझेदारी की,लेकिन मुनीबा बाद में 24 गेंदों में 23 रन बनाकर सोफी डिवाइन का शिकार बन गईं। निदा ने खुद को इस क्रम में आगे बढ़ाया और युवा शवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रनों की साझेदारी की।

बेल्जियम से हारकर भारत जूनियर महिला विश्व कप से बाहर

सैंटियागो, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के चौथे दिन ने कुछ टीमों के भाग्य का फैसला कर दिया है क्योंकि भारत और दक्षिण अफ्रीका प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं, जबकि पूल ए और सी की चार अन्य टीमें - नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम और जर्मनी - ने शीर्ष 8 में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। बेल्जियम ने पूल सी में तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए रोमांचक मुकाबले में भारत पर 3-2 से जीत हासिल की, जबकि जर्मनी ने पूल सी में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए कनाडा पर बड़ी जीत दर्ज की।

पूल ए में, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली थी, ने यह सुनिश्चित किया कि वे दक्षिण अफ्रीका और चिली को बड़े अंतर से हराकर उच्च स्थान पर रहें। इन चारों टीमों ने क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है जबकि अपने-अपने पूल में तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों को 9वें से 16वें स्थान के लिए वर्गीकरण मैच खेलना होगा। शनिवार रात दिन के पहले मैच में भारत और बेल्जियम के बीच कांटे की टक्कर हुई। पांचवें मिनट में नोआ श्रेउर्स ने फील्ड गोल करके बेल्जियम के लिए खाता खोला। इसके बाद यह बराबरी का मुकाबला था और दोनों टीमें गोल करने के मौके बनाने की कोशिश कर रही थीं। फ्रांस डी मोट ने बेल्जियम के लिए एक और गोल कर अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया, लेकिन तब इस प्रतियोगिता में भारत की स्टार खिलाड़ी अन्नू थीं, जिन्होंने पांच मिनट के भीतर दो गोल करके भारत को खेल में वापस ला दिया। हालाँकि, 52वें मिनट में एस्ट्रिड बोनामी के विजयी गोल ने पूल सी में शीर्ष पर रहने की भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। दिन के दूसरे मैच में जर्मनी ने कनाडा को 8-0 से हरा दिया, यह गोल का उत्सव था। लौरा प्लुथ और कप्तान लिली स्टॉफेलस्मा दोनों ने हैट्रिक बनाई, जबकि कैटरीना हैड और जोआना बोहरिंगर ने

एक-एक गोल किया। जर्मनी ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा और 14 पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए और कई बार प्रतिद्वंद्वी सर्कल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ, जर्मनी पूल सी में बेल्जियम के नीचे दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कनाडा तीन में से शून्य जीत के साथ सबसे नीचे रहा।

ऑस्ट्रेलिया ने पूल चरण में दो जीत और एक हार के साथ विश्व कप के अपने आखिरी लीग मैच में दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा मुकाबले में 4-0 से हराया। वह मकायला जोन्स थीं जिन्होंने चौथे मिनट में तेज फिनिश के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए स्कोरिंग की शुरुआत की। ऑस्ट्रेलिया को 11 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वह केवल एक को ही गोल में बदल सका, जिसका श्रेय दक्षिण अफ्रीकी गोलकीपर मोर्गन डी जैगर को जाता है। तीन मैचों में तीन हार के साथ दक्षिण अफ्रीका पूल ए में सबसे निचले स्थान पर रहा।

यह नीदरलैंड बनाम चिली के बीच एक समान मैच था क्योंकि महिला हॉकी में दुनिया की सबसे खतरनाक टीमों में से एक, नीदरलैंड ने मेजबान टीम को 7-0 से हराया था। वे शुरू से ही लय में थे और पहले दस मिनट में तीन गोल दागे।

नीदरलैंड पूल ए में शीर्ष पर रहा, और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, जबकि दक्षिण अफ्रीका और चिली 9वें-16वें स्थान के क्वालीफिकेशन मैचों में खेलेंगे।

सार संक्षेप

मोहन बागान सुपर जाइंट ने आईएसएल में हैदराबाद एफसी को 2-0 से हराया

भुवनेश्वर। मोहन बागान सुपर जाइंट ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में दूसरे हाफ में किए गए दो गोलों की बदौलत हैदराबाद एफसी को 2-0 से हरा दिया। मेरिनर्स को इस हफ्ते की शुरुआत में घरेलू मैदान पर ओडिशा एफसी के खिलाफ 5-2 से हार का सामना करना पड़ा। हैमिल ने 85वें मिनट में स्कोरिंग की शुरुआत की, और राय ने 96वें मिनट में गोल कर मेरिनर्स की जीत पक्की कर दी, इस टूर्नामेंट में मोहन बागान सुपर जायंट की पांचवीं जीत है। हैदराबाद एफसी अपना अगला मुकाबला 10 दिसंबर को गुवाहाटी में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से खेलेगी, जबकि मोहन बागान सुपर जाइंट छह दिसंबर को साल्ट लेक स्टेडियम में ओडिशा एफसी से भिड़ेगी। हैदराबाद एफसी के थांगबोई सिंग्नल ने कहा, मोहन बागान के बारे में बोलते हुए, मुझे लगता है कि यह सितारों की टीम है, लेकिन मैंने ओडिशा एफसी के खिलाफ उनका मैच देखा और मुझे लगता है कि यह उनके साथ खेलने का अच्छा समय है। उनके पास बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, शुरुआत में भी और बेंच पर भी।

केंद्रीय अनुबंध पाने के लिए विंडीज वनडे, फ्रेंचाइजी क्रिकेट की तलाश में इंग्लैंड के विल जैक

लंदन। केंद्रीय अनुबंध तय करते समय इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा नजरअंदाज किए गए इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर विल जैक नॉर्थ साउंड में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला को स्थायी रूप से टीम में जगह बनाने और अगले साल केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल होने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। । इसके अलावा, विल जैक्स अगले साल के आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में जगह पक्की करने के लिए अपने भविष्य के अवसरों का अधिकतम लाभ उठाना चाह रहे हैं। 25 वर्षीय ऑलराउंडर ने अपने शुरुआती करियर में तीन प्रारूपों में प्रदर्शन किया है और उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज की भूमिका सौंपी गई है। रविवार को पहले मैच की पूर्व संध्या पर जैक्स ने कहा, यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि आपको यह विश्वास दिया जाए कि चाहे कुछ भी हो आप टीम में बने रहेंगे। भले ही मैं रविवार को असफल हो जाऊं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, मेरे पास जाने का एक और मौका होगा और आखिरी दो मैचों में सफलता हासिल करूंगा। उन सभी के लिए जो उस आक्रामक शैली को खेलना चाहते हैं, आपको इसकी आवश्यकता है। यदि आप असफलता का डर मन में लाते हैं या इस बात की चिंता करते हैं कि आप खेलेंगे या नहीं, तो जाहिर तौर पर यह आपके प्रदर्शन में बाधा डालता है, और आप 100 प्रतिशत आत्मविश्वास के साथ नहीं खेल पाएंगे।

जिले के टीकमगढ़- खरगापुर मे कांग्रेस और जतारा में भाजपा ने फहराया परचम

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले की 3 विधानसभा सीटों के लिए रविवार को वोटों की गिनती हुई। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में 14-14 टेबलों पर काउंटिंग पूरी हुई। तीन सीटों में से दो पर कांग्रेस और एक सीट पर बीजेपी ने बड़त बनाई। खरगापुर विधानसभा सीट से पूर्व सीएम उमा भारती के भतीजे और मंत्री राहुल लोधी हार गए। यहां कांग्रेस की चंदा सिंह गौर को 83739 और राहुल लोधी को 75622 वोट मिले। जतारा में भाजपा के हरिशंकर को 75352, कांग्रेस प्रत्याशी किरण को 63963 वोट मिले। हरिशंकर खटीक 11389 वोट से जीते। टीकमगढ़ में कांग्रेस के यादवेंद्र सिंह को 83401 और बीजेपी के राकेश गिरी को 74279 वोट मिले।

टीकमगढ़ विधानसभा

राकेश गिरी भाजपा	यादवेंद्र सिंह बुंदेला कांग्रेस
यादवेंद्र सिंह	9122 वोट से जीते

खरगापुर विधानसभा

राहुल सिंह लोधी भाजपा	चंदा सिंह गौर कांग्रेस
चंदा सिंह गौर	8117 से जीते

जतारा विधानसभा

हरिशंकर खटीक भाजपा	किरण अहिरवार कांग्रेस
हरिशंकर खटीक	11389 वोट से जीते

टीकमगढ़ विधानसभा में 22 प्रत्याशी मैदान में

अभ्यार्थी	दल का नाम	कुल मत
यादवेन्द्र सिंह	इंडियन नेशनल कांग्रेस	83397
राकेश गिरि	भारतीय जनता पार्टी	74279
सीताराम लोधी	बहुजन समाज पार्टी	1894
अभिषेक जैन	इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी	219
आनंद कुशवाहा	जन अधिकार पार्टी	1034
कविता सिंह परिहार	आम भारतीय पार्टी	124
राकेश यादव	आजाद समाज पार्टी	320
रामबगस लोधी	भारतीय सभ्यता पार्टी	106
संजय यादव (शीलू)	समाजवादी पाटी	1280
के.के. श्रीवास्तव	निर्दलीय	8672
घनश्याम अहिरवार	निर्दलीय	224
घनश्याम लोधी	निर्दलीय	243
दीपचंद प्रजापति	निर्दलीय	407
बाबूलाल यादव	निर्दलीय	553
मीना देवी कुम्हार	निर्दलीय	602
राजू रैकवार	निर्दलीय	1191
रामचरण अहिरवार	निर्दलीय	849
विजय कुमार	निर्दलीय	574
सुका अहिरवार	निर्दलीय	105
सुरेन्द्र जैन	निर्दलीय	99
संजय कुमार अहिरवार	निर्दलीय	1055
हरिराम चढ़ार	निर्दलीय	229
नोटा		466

जतारा विधानसभा में 17 प्रत्याशी मैदान में

अभ्यर्थी	दल का नाम	कुल मत
अनीताप्रभुदयाल खटीक	इंडियन नेशनल कांग्रेस	63106
अहिरवार धर्मेन्द्र	बहुजन समाज पार्टी	1860
खटीक हरिशंकर	भारतीय जनता पार्टी	74476
अहिरवार सावित्री	भ्रष्टाचार अपराध मुक्त न्याय दल	1139
प्रेम नारायण अहिरवार	आजाद समाज पार्टी	300
एडवोकेट मुकेश अहिरवार	जन अधिकार पार्टी	258
आर.आर. बंसल	समाजवादी पार्टी	14557
राजेश वंशकार	अ.भा. आरक्षित समाज पार्टी	257
अमित कुमार सूत्रकार	निर्दलीय	171
अहिरवार दामोदर	निर्दलीय	327
अहिरवार महेन्द	निर्दलीय	257
काशीराम वंशकार	निर्दलीय	456
कोमलचन्द्र अहिरवार	निर्दलीय	950
खटीक प्रमोद	निर्दलीय	819
रमेश कुमार प्रजापति	निर्दलीय	960
राजेन्द्र अहिरवार	निर्दलीय	334
नोटा	..	1049

खरगापुर विधानसभा में 14 प्रत्याशी मैदान में

प्रत्याशी	दल	कुल मत
चंदा.सुरेंद्र सिंह गौर	इंडियन नेशनल कांग्रेस	83137
प्यारे लाल सोनी	आम आदमी पार्टी	12152
राहुल सिंह लोधी	भारतीय जनता पार्टी	75440
शिखा ह्रदेश कुशवाहा	बहुजन समाज पार्टी	8533
अहिरवार राधेलाल	आजाद समाज पार्टी	543
लखन लाल लोधी	भारतीय सभ्यता पार्टी	319
शोभाराम रैकवार	लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी	882
अजय सिंह यादव	निर्दलीय	1450
चंद्रभान	निर्दलीय	295
प्रशांत शुक्ला	निर्दलीय	419
बलवंत बाल्मीक	निर्दलीय	371
मोहन लाल	निर्दलीय	532
मंजू सिंह लोधी	निर्दलीय	1015
सुनील सिंह	निर्दलीय	757
नोटा	..	2236

सार समाचार

दशहरा मैदान पर मोटर साईकिल में हुई भिड़ंत

गुना, देशबन्धु। कैंट थानांतर्गत दशहरा मैदान रोड पर दो मोटर सायकिलों में भिड़ंत हो गई। जिसमें एक बाईक सवार घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी मेघनाथ पुत्र मान सिंह अहिरवार ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि गत शाम करीब वह अपनी मोटर साईकिल एमपी 08 एमएन 6746 से केन्ट से पिपरोदाखुर्द अपने घर जा रहा था। जैसे ही वह दशहरा मैदान वाली रोड पर आया, तभी सामने से मोटर साईकिल क्रमांक एमपी 08 एमक्यू 8438 का चालक अपनी मोटर साईकिल को तेजी व लापरवाही से चलाकर लाया और टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उसके हाथ-पैरों में चोटें आई हैं। फिलहाल पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी मोटरसाईकिल चालक पर मामला दर्ज किया है।इधर कुंभराज थानांतर्गत ग्राम तुलसीखेड़ी के निकट दो बाईकों में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। जिसमें 2 युवक घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी अरूण मीना निवासी छोल्या ने बताया कि वह अपनी मोटर सायकिल क्रमांक 08 जेडए 7015 से अपनी दीदी के गांव पटौंदी से अपने घर छोल्या आ रहा था। जैसे ही ग्राम ऊँचाखेजड़ा से करीब 1 किलोमीटर तुलसीखेड़ी गांव तरफ रोड पर पहुंचे कि सामने तुलसीखेड़ी तरफ से एक मोटर साईकिल वाला अपनी मोटर साईकिल तेज व लापरवाही पूर्वक चलाता लाया और उसकी मोटर साईकिल में सामने की तरफ टक्कर मार दी। जिससे में मोटर साईकिल सहित नीचे गिर गया। टक्कर लगने से उसके हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आई और घायल हो गया। जिसे उसके परिजनों ने गुना में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी मोटरसाईकिल चालक पर मामला दर्ज किया है।

लाड़ली बहना और अमित शाह के कारण रहे आश्चर्यजनक परिणाम : जयवर्धन

गुना, देशबन्धु। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की करारी हाल के बाद राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह ने मीडिया से चर्चा करते हुए इसे लाड़ली बहना योजना की भावुकता कही। इस अवसर पर मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने राघौगढ़ विधानसभा के मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता ही राजा होती है। जनता का मत और निर्णय हम सबने स्वीकारा है। इस अवसर पर उन्होंने मप्र में भाजपा के रिकॉर्ड बहुमत पर उन्होंने कहा कि हमें इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। यह शिवराज सिंह की लाड़ली बहना योजना के कारण हुआ है या अमित शाह की रणनीति के कारण। लेकिन हम जनता के निर्णय को स्वीकारते हैं। कुछ लोग कांग्रेस के जीते भी हैं। हमें वह भी स्वीकार करना होगा। लेकिन जो मर्जन आई हैं जीत की उस पर आश्चर्य हो रहा है। चुनावों में कोई हारता है कोई जीतता है। अमूनन जीत दस से बीस हजार की होती है, लेकिन इस बार 60 से 70 हजार की जीत आश्चर्यजनक है।यह कांग्रेस के लिए चिंता की विषय है।

थोड़ी धूप के बाद दिनभर आसमान में छाया रहे बादल

गुना, देशबन्धु। अंचल सहित प्रदेशभर में अलग-अलग जगहों पर सक्रिय मौसम प्रणालियों के चलते अगले 3-4 दिनों तक जिले में मौसम के मिजाज यू हीं बने रहने का अनुमान है। पश्चिमी विक्षोभ, चक्रवात और ट्रफ लाइन के चलते जिले के चांचौड़ा, राघौगढ़ एवं कुंभराज क्षेत्र में हल्की बारिश हुई। इधर गुना में शनिवार को कुछ देर के लिए धूप निकलने के बाद फिर दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। हालांकि गुना, बमोरी क्षेत्र में शनिवार को बारिश नहीं हुई। लेकिन सुबह से ही बादलों को डेरा रहा और धुंध छाई रही। इसके बाद दोपहर के बाद कुछ समय के लिए धूप के दर्शन हो सके। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को जिले के चांचोड़ा में सबसे अधिक 17 मिमी बारिश हुई। वहीं कुंभराज एवं राघौगढ़ में 1-1 मिमी तो मधुसूदनगढ़ में 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं शनिवार को अधिकतम तापमान 22 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री दर्ज किया गया। इस दौरान शुक्रवार की अपेक्षा अधिकतम तापमान में बढ़त तो न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दरअसल पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते जिले में बीते दिनों से मौसम खराब है और आधी रात के बाद बारिश और दिन में बादलों की आवाजाही से कभी कम तो कभी अधिक सर्दी हो रही है। बादलों के हटते ही सर्दी तेज होने लगती है। शनिवार को आधी रात के बाद जिले के चांचौड़ा, कुंभराज, मधुसदूनगढ़ आदि क्षेत्र में बारिश हुई। जिसके बाद सुबह से ही बादलों का डेरा और धुंध छाई रही। मौसम विभाग के अनुसार अभी 3-4 दिन तक इसी तरह का मौसम बने रहने के आसार हैं। बारिश होने के बाद ही ये धुंध हट सकेगी। वहीं हवाओं की रफ्तार 6 किलोमीटर प्रतिघंटा दर्ज हुई।

मतगणना के लिए कर्मचारियों की हुई रिहर्सल

गुना, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरुण राठी के मार्गदर्शन में मतगणना की तैयारी जारी है। 3 दिसंबर को पीजी महाविद्यालय गुना स्थित मतगणना कक्षों में विधानसभा क्षेत्र 28-बमोरी, 29-गुना, 30-चांचौड़ा एवं विधानसभा क्षेत्र 31-राघौगढ़ के लिए होने वाली मतगणना से संबंधित मतगणना के द्वितीय रेंडमाइजेशन बाद मतगणना सुपरवाइजर, मतगणना सहायक एवं माइक्रो आब्जर्वर को विधानसभा वार ड्यूटी आवंटित कर शनिवार को सुबह 11 बजे से रिहर्सल की गई। इस दौरान संबंधित विधानसभा के प्रेक्षकों द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए और रिटर्निंग अधिकारी द्वारा 3 दिसम्बर को होने वाली मतगणना के संबंध में बताया गया कि कल पूरी सावधानी और निष्पक्षता से मतगणना कार्य संपन्न किया जाना है।

पन्नालाल ने दर्ज की सबसे बड़ी जीत

गुना-चांचौड़ा से भाजपा तो बमोरी-राघौगढ़ से कांग्रेस जीती

गुना, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव मतगणना के दौरान रविवार को सुबह गिनती होते ही राजनीति के दंगल में भाग्य आजमा रहे प्रतिद्वंदियों के चेहरों पर कभी खुशी और कभी गम के भाव देखने को मिले। गुना जिले की चारों विधानसभा सीटों में इस बार भाजपा-कांग्रेस फिफ्टी-फिफ्टी रही। जिसमें गुना से पन्नालाल शाक्य एवं चांचौड़ा में प्रियंका पैंची भाजपा तो राघौगढ़ से जयवर्धन सिंह एवं बमोरी में ऋषि अग्रवाल कांग्रेस विजयश्री रही।

इस बार परंपरागत कांग्रेस का किला रहा राघौगढ़ में दरार देखने को मिली। पिछले बार की रिकॉर्ड 47 हजार की कांग्रेस की जीत इस बार 4505 वोटों पर सिमट गई। वहीं चांचौड़ा त्रिकोणीय समझे जाने वाले चुनावों में भाजपा की प्रियंका पैंची ने एकतरफा जीत हासिल की। चारों में सबसे बड़ी जीत गुना से पन्नालाल शाक्य की रही। इसके पूर्व चुनाव परिणाम को जानने के लिए उत्सुक सैकड़ों कार्यकर्ता और आमजन सुबह 8 बजे से ही अम्बेडकर भवन चौराहा के इर्द-गिर्द जमा हो गए थे। जैसे ही पहले राउंड के चुनाव नतीजे घोषित हुए तो उपस्थित जनसमुदाय में गहमा-गहमी का माहौल बन गया। गुना जिले की चारों विधानसभा सीटों की मतगणना अलग-अलग टेबिलों पर अलग-अलग राउंड में की गई।

इस दौरान गुना विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी पन्नालाल शाक्य पहले से ही राउण्ड से लगातार बढ़त बनाएं रखे। 19 राउण्ड में लगी मतगणना में कांग्रेस प्रत्याशी पंकज कनेरिया एक भी राउण्ड में बढ़त नहीं बना सके। इस दौरान जिले की सबसे बड़ी जीत गुना से पन्नालाल शाक्य के खाते में रही। उन्हें 11,4801 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के पंकज को 66,454 वोट मिले। इस तरह भाजपा के पन्नालाल शाक्य ने रिकॉर्ड 66,454 वोटों से जीत दर्ज की। हालांकि डाक पत्रों में भाजपा को कांग्रेस से कड़ी टक्कर मिली। डाक मतपत्र में भाजपा को 1368 तो कांग्रेस को 1264 वोट मिले। जिसमें भाजपा का जीत का अंतर 104 रहा। प्रतिशत की बात की जाएं यहां भाजपा को 66.59 प्रतिशत तो कांग्रेस 28.05 प्रतिशत पर सिमट गई। कांग्रेस का मजबूत दुर्ग राघौगढ़ में भी इस बार दरार देखने को मिली। 2018 में 47 हजार वोटों से जीत दर्ज करने वाले कांग्रेस नेता जयवर्धन को इस बार कभी उनके खास समर्थक रहे भाजपा प्रत्याशी हीरेन्द्र सिंह बंटी बना ने कड़ी टक्कर दी। शुरूआत राउण्डों में तो भाजपा के बना ने बढ़त बनाकर कांग्रेसियों के पसीने छूट दिए, लेकिन शनै-शनै कांग्रेस प्रत्याशी जयवर्धन सिंह छोटी-छोटी बढ़त के 20 वें राउण्ड में 4505 मतों से विजयी हुए। यहां पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पुत्र जयवर्धन सिंह को 95,738 वोट तो भाजपा के हीरेन्द्र सिंह बंटी बना को 91233 वोट मिले।

जबकि तीसरे नंबर आजाद समाज पार्टी के संजीव अहिरवार को 2451, बसपा के धर्मेन्द्र गजराम यादव 2311 तो नोटा में 2113 वोट पड़े। वोट प्रतिशत की बात करें तो यहां कांग्रेस के जयवर्धन सिंह को 48.58 प्रतिशत, भाजपा के हीरेन्द्र ङ्क्षसह को 46.3 प्रतिशत मत मिले। राघौगढ़ के रोचक मुकाबले में कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा आगे रही। कुल 20 राउण्ड में चली मतगणना में कांग्रेस के जयवर्धन सिंह 1, 3, 5, 6, 7, 8, 9, 12, 13, 16, 17, 18 एवं 20 वें राउण्ड में मामूली वोटों के बढ़त बनाए रखे। जबकि भाजपा के हीरेन्द्र सिंह ने 2, 4, 10, 11, 14, 15 एवं 19 वें राउण्ड में बढ़त बनाई। बहरहाल पूर्व मंत्री रहे एवं कांग्रेस के मजबूत किले में भाजपा के हीरेन्द्र सिंह ने जमकर सेंधमारी की।

बमोरी में पंचायत मंत्री को दी कांग्रेस के युवा चेहरे ऋषि ने पटखनी : इधर जिले की सबसे हॉट सीट बमोरी में कांग्रेस ने धमाकेदार जीत दर्ज की। चारों विधानसभाओं में से सबसे पहले बमोरी के परिणाम सामने आएं। यहां कांग्रेस के युवा चेहरे ऋषि अग्रवाल ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया को 14796 वोटों से रिकॉर्ड दर्ज की। एक समय तक 15 राउण्ड में अग्रवाल की लीड करीब 20 हजार से ऊपर थी। लेकिन अंत के 5 राउण्ड में भाजपा प्रत्याशी महेन्द्र सिंह ने बढ़त बनाई। इसके पूर्व बमोरी के चुनाव परिणामों पर सभी की निगाहें लगी रही। पहले राउण्ड से कांग्रेस के ऋषि अग्रवाल ने अपनी बढ़त बनाई रखी। 20 राउण्ड में चले मतगणना में भाजपा सिर्फ 7 राउण्ड में ही बढ़त बना सकी। जिसमें 9 वें, 10 वें राउण्ड के अलावा 16 से 20 वें राउण्ड में भाजपा ने बढ़त बनाई। बमोरी में कांग्रेस की जीत के साथ ही एबी रोड स्थित ऋषि अग्रवाल के कार्यालय पर समर्थकों ने जमकर जश्न मनाया। इस मौके पर ढोल नगाड़े के बीच जमकर आतिशबाजी की गई।

चांचौड़ा में 11 वें राउण्ड तक प्रियंका रिकॉर्ड जीत की ओर अग्रसर : सबसे अंत में जिले की चांचौड़ा विधानसभा सीट का चुनाव परिणाम आया। यहां शुरू से ही त्रिकोणीय मुकाबले के अनुमान लगाएं जा रहे थे। जिसमें भाजपा से प्रियंका पैंची, कांग्रेस से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के अनुज लक्ष्मण सिंह एवं आप पार्टी से ममता मीना मैदान में थी। लेकिन पहले ही राउण्ड से भाजपा की प्रियंका मीना पैंची बढ़त बनाए रखीं। 11 वें राउंड में भाजपा ने 31507 वोटों की बढ़त बना रखी थी। जबकि यहां 10 राउण्ड बाकी थे। 11 राउण्ड की मतगणना में भाजपा की प्रियंका पैंची को 58414 वोट, कांग्रेस के लक्ष्मण सिंह को 26907 एवं आप पार्टी की ममता मीना को 14831 वोट मिले। यहां भी 11 राउण्ड में से 10 राउण्ड में भाजपा ने बढ़त बनाई रखी। जबकि सिर्फ 9 वें राउण्ड में कांग्रेस ने अपनी बढ़त ली।

कॉलेज के बाहर उमड़ी हजारों की भीड़ : भारी सुरक्षा इंतजाम और कड़े प्रशासनिक प्रबंध के बीच स्थानीय पीजी कॉलेज में जिले की चारों विधानसभा सीटों के चुनाव परिणाम घोषित किए जाते रहे। जिसके लिए सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू की गई। दोपहर 3 बजे तक मिले रूझानों के मुताबिक गुना जिले में दो-दो का आंकड़ा दिखाई दिया। यानि गुना एवं चांचौड़ा भाजपा के खाते में तो राघौगढ़ एवं बमोरी कांग्रेस के खाते में गई। नतीजों को जानने के लिए सुबह से ही मतगणना स्थल के इर्द-गिर्द हजारों की तादाद में लोग इकट्ठा हो गए थे।

पॉलीटेक्निक कॉलेज में चाक चौबंद व्यवस्था के बीच हुई मतगणना

जिले की चारों विधानसभा सीटों पर फिर भाजपा के प्रत्याशियों ने विजय पताका फहराई

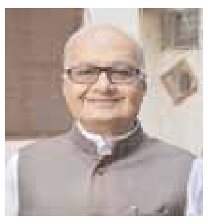

दमोह देशबन्धु। पांच राज्यों में हुए विधानसभा निर्वाचन 2023 में शामिल मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन के अंतर्गत विगत दिवस 3 दिसंबर को जिले की सभी चारों विधानसभा सीटों के लिए बहुप्रतीक्षित मतपत्रों की गिनती का काम मुख्यालय स्थित स्थानीय पॉलीटेक्निक कालेज परिसर में चाक चौबंद व्यवस्था के साथ संपन्न हुआ।

परिणाम पर यदि ध्यान दिया जाये तो जिले की सभी चारों विधानसभा सीटों पर एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों ने विजय पताका फहराते हुए रिकार्ड मतों से जीत हासिल की है।

सबसे पहले मुख्यालय दमोह 55 विधानसभा सीट की बात की जाये तो यहां से पूर्व वित्तमंत्री रहे जयंत मलैया को भाजपा ने इस वार फिर मैदान में उतारा था जिसमें उन्होंने पार्टी को निराश नहीं किया और कुल 21 राउंड चली मतपत्रों की गणना में कुल वोट 185772 में से लगभग 60 प्रतिशत वोट हासिल करते हुए 111449 वोट प्राप्त किये और अपने निकटतम प्रतिद्वंदी निवर्तमान विधायक और कांग्रेस के उम्मीदवार अजय कुमार टंडन जिन्होंने लगभग 32 प्रतिशत मत हासिल करते हुए कुल 59821 प्राप्त किये, को 51628 मतों के अंतर से हराया। वहीं चुनाव में अन्य प्रत्याशी रहे बहुजन समाज पार्टी के प्रताप रोहित को 3146 और आप पार्टी से टीवी कलाकार चाहत पाण्डे को 2275 मत प्राप्त हुए।

हटा आरक्षित सीट के लिए चली कुल 22 राउंड की गणना में भाजपा से एक वार फिर भाग्य आजमा रहीं। उमादेवी लालचंद खटीक ने कुल मत 182195 में से लगभग 58 प्रतिशत मत हासिल करते हुए 106546 वोट प्राप्त किये और अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के प्रदीप खटीक को 57021 मतों से परास्त किया। चुनाव मे प्रदीप खटीक को लगभग 27 प्रतिशत मत मिलते हुए कुल 49525 वोट प्राप्त हुए। अन्य प्रत्याशियों में बहुजन समाज पार्टी के भगवानदास चौधरी को कुल 19362 मत प्राप्त हुए।

जिले की जबेरा विधानसभा 56 सीट के लिए कुल 22 चली मतगणना में कुल वोट 192396 की गणना में निवर्तमान विधायक और भाजपा प्रत्याशी धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने लगभग 37 प्रतिशत मत पाते हुए कुल 71770 मत प्राप्त किये और अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के प्रताप सिंह को 16204 के अंतर से पराजित किया। चुनाव में प्रताप सिंह को लगभग 29 प्रतिशत मत के साथ कुल 55566 मत ही प्राप्त हो सके। अन्य प्रत्याशियों में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से उम्मीदवार विनोद राय ने भी कांटे की टक्कर देते हुए लगभग 27 प्रतिशत मत हासिल करते हुए कुल 52254 मत अपने नाम किये

वहीं जिले की चौथी विधानसभा सीट पथरिया 54 के कुल 21राउंड में से समाचार लिखे जाने तक कुल 19 राउंड की मतगणना संपन्न हो चुकी थी जिसमें भाजपा के उम्मीदवार लखन पटेल ने 75863 मत हासिल करते हुए सवसे पहले नंवर पर अपनी स्थिति वनायी हुई थी और अपने निकटवर्ती प्रत्याशी कांग्रेस के राव ब्रजेन्द्र सिंह को मिले 62402 से 13461 की वढत वना ली थी जवकि निवर्तमान विधायक और बहुजन समाज पार्टी से एक वार फिर हाथ आजमा रहीं दवंग विधायक रहीं रामबाई गोविंद सिंह ने 27024 मत ही हासिल किये थे और वे तीसरे क्रम में चल रही थीं।

जिले की तीनों विधानसभाओं में भाजपा के प्रत्याशियों की जीत

पन्ना से बृजेन्द्र प्रताप, पवई से प्रहलाद लोधी तथा गुनौर से राजेश वर्मा बने विधायक

पन्ना, देशबन्धु। मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए जिसका मतदान 17 नवम्बर को हुआ था तथा मतगणना पूरे प्रदेश में 3 दिसम्बर को संपन्न हुई। मतगणना में जिले की तीनो विधानसभाओ में भाजपा की प्रत्याशीयो की जीत हुई है। जीते हुए प्रत्याशीयो को रिटर्निंग अधिकारीयो ने जीत के प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए बधाई दी है।

पन्ना विधानसभा से भाजपा के प्रत्याशी रहे प्रदेश के खनिज मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने प्रतिद्वंदी कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी भरत मिलन पान्डेय को 17 हजार 910 वोटो से पराजित किया। बृजेन्द्र प्रताप सिंह को 96 हजार 283 मत प्राप्त हुए तथा भरत मिलन पान्डेय कांग्रेस प्रत्याशी को 77 हजार 747 मत प्राप्त हुए है तथा जो अन्य 9 प्रत्याशी रहे उनमे विमला अहिरवार को 2843, महेन्द्र पाल वर्मा को 2870, मेवालाल अहिरवार को 1137, जिज्ञासा कनौजिया को 879, नन्द कुमार को 484, फिरोज खान को 364, मोहम्मद इकराम को 635, राजेश श्रीवास्तव को 1056, सोने लाल प्रजापति को 911 तथा नोटा को 2364 मत प्राप्त हुए है। इसी प्रकार पवई विधानसभा से प्रहलाद लोधी विजयी हुए है, जिन्होने पूर्व मंत्री मुकेश नायक को 22 हजार 555 वोटो से पराजित किया है। प्रहलाद लोधी को एक लाख 6 हजार 126 वोट प्राप्त हुए तथा मुकेश नायक को 83 हजार 610 मत प्राप्त हुए है। बहुजन समाजवादी पार्टी की हेमन्त ऋषि राज को 3305 मत प्राप्त हुए है, इसी प्रकार गुनौर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के राजेश वर्मा विजयी हुए है, उन्होने कांग्रेस पार्टी के निकटम प्रत्याशी जीवन लाल सिद्धार्थ को 1160 मत के अन्तर से पराजित किया है। इसमे राजेश वर्मा को 76 हजार 907 मत प्राप्त हुए है तथा कांग्रेस पार्टी के जीवन लाल सिद्धार्थ को 75 हजार 183 मत प्राप्त हुए है। बहुजन समाजवादी पार्टी के देवीदीन आसू को 5 हजार 927 तथा निर्दलीय अमिता बागरी को 3 हजार 874 मत प्राप्त हुए है। निर्दलीय अरविन्द बागरी को 495, जीतेन्द्र दहायत को 438, पूरन लाल कोरी को 595, परसू चौधरी को 778 तथा नोटा को 2 हजार मत प्राप्त हुए है। तीनो प्रत्याशीयो को रिटर्निंग अधिकारीयो द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किये है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने मतगणना कक्षो का विधानसभावार जायजा लिया

दमोह देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी ने संयुक्त रूप से स्थानीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में चल रही मतगणना कक्षो का विधानसभावार जायजा लिया। इस मौके पर सी.ई.ओ.जिला पंचायत अर्पित वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी मोजूद थे।

कथा में राम जन्म होते ही श्रीराम के जयकारों से गूंजा पंडाल

दमोह देशबन्धु। मागंज वार्ड नं पांच में श्रीराम कथा के जन्म होते ही पंडाल में प्रभु श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग ने कहा कि भगवान का जन्म असुरों और पापियों का नाश करने के लिए हुआ था। भगवान राम ने बाल्यावस्था से ही असुरों का नाश किया। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का जीवन चरित्र अनंत सदियों तक चलता रहेगा। राम कथा में पिता के प्रति मां के प्रति और भाई के प्रति प्रभु राम का जो स्नेह प्रेम रहा सदा सदा के लिए अमर है। किशोरी जी ने कहा कि राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ के पास जाते हैं। जहां वशिष्ठ द्वारा श्रृंगी ऋषि से शुभ पुत्र कामेष्टि यज्ञ करवाते है। यज्ञ कुंड से अग्नि देवता का प्रकट होकर राजा दशरथ को खीर प्रदान करते हैं। जिसके बाद राजा दशरथ द्वारा तीनों रानियों कौशल्या, कैकई और सुमित्रा को खीर देते है। उस खीर के खाने से तीनों रानियों को भगवान राम सहित भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म होता है। इस अवसर पर मौजूद रहे। मुख्य श्रोता एवं वार्ड वासी सौरव रायक्रवार,संजू पेंटर,चेतन चंदेल,ओमप्रकाश तिवारी,संदीप विश्वकर्मा,पिंकू यादव,मनीष रैकवार,भरत पटेल,शिवम् सोनी,अनुराग नामदेव कथा श्रवण करने पार्षद कृष्णा तिवारी ने सभी से कथा श्रवण करने का अनुरोध किया है।

तुलसा माता की विदाई हुई

दमोह देशबन्धु। हृदयस्थल घंटाघर स्थित श्री देव जानकी रमण बूंदाबहू मंदिर की ट्रस्ट के अधीन परमाबाई कचेरन मंदिर से तुलसा माता की विदाई हुई, जहां इसके पूर्व मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन कमेटी द्वारा रखा गया, इस विशाल भंडारे में सभी लोगों ने प्रसाद पाया और भजन कीर्तन कर तुलसा माता की पालकी में विदा हुई।जहां श्री देव जानकी रमन बूंदाबहू मंदिर में भव्य अगवानी विधि विधान से संपन्न हुई। इस दौरान मंदिर कमेटी के पदाधिकारी पंडित और मंदिर से जुड़े भक्तगण विशेष रूप से मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में विश्व विकलांगता दिवस पर कार्यशाला का किया आयोजन

पन्ना, देशबन्धु। विश्व विकलांगता दिवस 03 दिसंबर 2023 को प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री राम शिक्षा प्रसार एवं ग्रामीण विकास समाज उत्थान समिति पन्ना द्वारा संचालित स्वामी विवेकानंद आवासीय दिव्यांग संस्थान एवं स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में दिव्यांग बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्था प्रमुख दिनेश प्रताप सिंह एवं महाविद्यालय प्राचार्य आलोक कुमार के कुशल मार्गदर्शन में एवं रूपेंद्र कुमार पटेल प्रधानाध्यापक विद्यालय के संयोजन में किया गया, सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्रमुख दिनेश प्रताप सिंह एवं आलोक कुमार के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन अनुपमा बुंदेला द्वारा किया गया। कार्यक्रम को बढ़ाते हुए श्री सिंह द्वारा बताया कि दिव्यांगो को उनके अधिकार एवं मिलने वाली सुविधाओं को बताया गया एवं आलोक द्वारा शासन से विभिन्न प्रकार की सुविधाओं, पेंसनो, एवं अन्य उपकरणों के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई में स्वामी विवेकानंद आवासीय दिव्यांग संस्थान में अध्यनरत दिव्यांग बच्चों की 100 मीटर दौड़, नींबू दौड़ एवं गायन प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। नींबू दौड़ प्रतियोगिता में सुनील यादव प्रथम दीपेंद्र पटेल द्वितीय एवं संजू पटेल तृतीय स्थान प्राप्त किया साथ ही 100 मीटर दौड़ में कामता कुशवाहा ने प्रथम छोटू पटेल द्वितीय अमरजीत कुशवाहा तृतीया स्थान हासिल किया और दृष्टिबाधित दिव्यांगों की 50 मीटर दौड़ में महेंद्र कुशवाहा ने प्रथम, अमित लोधी द्वितीय एवं योगेंद्र सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मेडल एवं पुरस्कार का वितरण किया एवं एवं अन्य छात्र जिन्होंने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया उन्हें भी सत्वावना पुरस्कार दिया गया कार्यक्रम में छात्रों, अभिभावकों एवं स्टाफके सदस्यों को स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई कार्यक्रम में प्रसाद लोध, ताराचंद, पवन कुमार, आशीष सोनी, पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, सरदार सिंह यादव, मनोज कुमार सेन, मनीष साना, रूपेंद्र कुमार पटेल, धीरज सेन, कौशल कुमार, संजय प्रजापति, केके सेन, राहुल सिंह सेंगर, शिव प्रताप सिंह, चंद्रशेखर कोल, अनुपमा बुंदेला, गीतांजलि यादव, प्रतिमा यादव, चंद्रिका जड़िया, रुचिता सिंह, दीपांशी तिवारी, सोनम, शिवानी शर्मा, सोम शुक्ला, लक्ष्मी, अंजार अहमद, स्वीटी खरे, निधि शर्मा आदि स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कृष्ण जन्म उत्सव में भक्त श्रद्धालु झूम नाचते नजर आए

दमोह देशबन्धु। हिरदेपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथी दिवस में परम पूज्य डॉ रजनी शास्त्री के परम सानिध्य में चौथे दिन की कथा में भगवान श्री कृष्ण का वर्णन किया गया कथा श्रोता कमल रानी सेन सेन परिवार के सौजन्य से कथा का आयोजन करवाया गया। वही कथा में सुबह से संघ पार्थिव शिवलिंग का निर्माण भक्तों के द्वारा करवाया जा रहा है वहीं विधि विधान से रुद्राभिषेक पूजन कर भक्ति श्रद्धालु धर्म लाभ ले रहे हैं। कथा के पूर्व राजा बलि की दर पहुंचे भगवान वामन जिन्होंने तीन पग धरती मांगी संकल्प करके तीन पद धरती दी जिसमें पूरा ब्रह्मांड तीन पग में नाप लिया आगे की कथा में भगवान रामचंद्र जी का जन्म का वर्णन किया गया कथा में संगीत में आयोजन चल रहा जिसमें भक्त श्रद्धालु भजनों का आनंद ले रहे जन्मोत्सव की कथा में वर्णन करते हुए बताया कि देवकी वासुदेव का विवाह संपन्न हुआ और उसके उपरांत देवकी वसुदेव के यहां अष्टम संतान के रूप में भगवान श्री कृष्ण का प्रकटोत्सव हुआ कंस श्रापित था कि देवकी की आठवीं संतान तुम्हें मार डालेगी इसी क्रम में जन्म होते ही वह सभी पुत्रों को मार देता था भगवान का जब जन्म हुआ तो कारागार में सभी बधन छूट गये और सैनिक सो गए वासुदेव जी उन्हें गोकुल गांव छोड़ कर आ गए जहां भगवान का जन्म उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया नंद बाबा बधाइयां बजने लगी कथा के दौरान जीवंत झांकी का चित्रण किया गया।

देवर ने की भाभी की हत्या

पन्ना, देशबन्धु। जिले के शाहनगर थाना अन्तर्गत ग्राम खमतरा में देवर द्वारा कुल्हाडी से बार कर भाभी की हत्या कर देने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार आरोपी विष्णु सेन द्वारा बारी के विवाद पर बीच बचाव करने आई भाभी की हत्या कुल्हाडी मार कर कर दी गई है। बताया जाता है कि विष्णु सेन बाडी लगा रहा था तथा पपीता के पेड काट रहा था, जिसको लेकर आरोपी तथा पिता के बीच में विवाद हो गया। जिसमें बीच बचाव करने भाभी मिथला सेन आई तो आरोपी ने पिता को छोडकर भाभी पर कुल्हाडी से गर्दन पर प्रहार कर दिया जो बुरी तरह घायल हो गई। घायल को इलाज के लिए शाहनगर स्वास्थ केन्द्र लाया गया, लेकिन इलाज के पूर्व ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका का पोस्ट मार्टम कराया तथा शव परिजनो को सौंप दिया एवं आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया।

चुनाव की परिणाम के बाद पूर्व विधायक के निवास पर उपद्रव

गंज बासौदा, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव की परिणामों की घोषणा होते ही भाजपा समर्थकों ने पार्टी की ही पूर्व विधायक लीना जैन के निवास पर पटाखे चलाएं और जलते पटाखों को उनके घर में फेंक दिया। उनके निवास पर 50-60 लोगों की भीड़ ने काफी देर तक उपद्रव किया। यह लोग गाली-गलौज करते हुए धमकियां देते रहे कि अब हमारा विधायक बन गया है,तुम लोगों को बासौदा में नहीं रहने देंगे। भीड़ शांत होते न देख पूर्व विधायक ने थाना प्रभारी को शिकायत की और लिखित आवेदन भी प्रस्तुत किया, तब कहीं जाकर उनके निवास पर पुलिस पहुंची। जैसे पुलिस को यहां देखा उपद्रव करने वाले लोग भाग खड़े हुए।

दूसरी बार विधायक चुने गए उमाकांत, जश्न का माहौल

सिरोंज, देशबन्धु। भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा एक बार फिर विधायक के लिए चुन लिए गए हैं। जनता ने उन पर लगभग पिछले बार की भांति ही अपना विश्वास जताया है। ज्ञात रहे कि पिछली बार उमाकांत शर्मा करीब 33000 वोटों से विजय हुए थे और इस बार उनकी जीत का थोड़ा अंतर कम रह गया। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 147 सिरोंज के रिटर्निंग आफीसर हर्षल चौधरी ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा को 97387 मत प्राप्त हुए है उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के गगनेन्द्र रघुवंशी को 69878 मत मिले। भाजपा के उमाकांत शर्मा 27509 मतों से विजयी हुए है। उनकी जीत के बाद नगर में इन सभी बातों पर विराम लग गया कि इस बार उमाकांत का चुनाव जितना मुश्किल है। सोशल मीडिया पर शर्मा के खिलाफ किए जा रहे दुष्प्रचार के बाद अब आज कोई ऐसी पोस्ट फेसबुक पर नहीं दिखाई दी जिससे शर्मा का विरोध प्रकट हो।

आज सुबह से ही नगर में जश्न का माहौल था और भाजपा व उमाकांत के समर्थक उस समय का इंतजार कर रहे थे कब चुनाव परिणाम की घोषणा हो और जैसे-जैसे शर्मा को बढ़त मिलती गई लोगों के सब्र का बांध टूट गया और वे 9-10 राउंड की गिनती के बाद से ही पटाखे और जश्न मानने लगे। कठाली बाजार से भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल ढमाकों के साथ जुलूस निकाला जो उमाकांत शर्मा के निवास पर जाकर जश्न में तब्दील हुआ। चुनाव परिणाम के चलते भारी जश्न का माहौल आज शहर में रहा है। शर्मा के विजयी होने के बाद अब नगर की जनता को उनके सिरोंज आगमन का इंतजार है ताकि वह अपनी खुशियों को जुलूस आदि निकाल कर मना सके। विधायक उमाकांत शर्मा आज गिनती के दौरान स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा में नजर आए और मेघालय से आए प्रेक्षक की उन्होंने सराहना की। शर्मा ने सभी पार्टियों और अधिकारियों का शांतिपूर्वक

हरदा से कांग्रेस के दोगने और टिमरनी से शाह निर्वाचित

हरदा,देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के लिये मतगणना पॉलिटेक्निक कॉलेज में सम्पन्न हुई। मतगणना के बाद हरदा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अभ्यर्थी डॉ. आर.के. दोगने तथा टिमरनी विधानसभा क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अभ्यर्थी अभिजीत शाह निर्वाचित घोषित किये गये। हरदा विधानसभा में मतगणना के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अभ्यर्थी डॉ. रामकिशोर दोगने को 94553 मत मिले, जिसमें इवीएम के 93485 व डाक मतपत्र 1068 शामिल है। इसी तरह भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी कमल पटेल को 93683 मत मिले, जिसमें 408 डाक मतपत्र भी शामिल है। बहूजन समाज पार्टी के अभ्यर्थी प्रहलाद पेंटर को कुल 1166 मत मिले, जिसमें 7 डाक मतपत्र भी शामिल है। जनता कांग्रेस के अभ्यर्थी परसराम हीरे को कुल 887 मत मिले, जिसमें 2 डाक मतपत्र भी शामिल है। आम भारतीय पार्टी के अभ्यर्थी सुनिल कुमार को कुल 171 मत मिले। आजाद समाज पार्टी के अभ्यर्थी सोहन उमरिया को कुल 655 मत मिले, जिसमें 5 डाक मतपत्र भी शामिल है। निर्दलीय प्रत्याशी गीता कमल पाण्डे को कुल 130 मत मिले, जिसमें 1 डाक मतपत्र भी शामिल है। निर्दलीय प्रत्याशी योगिता कांताराम दूधवाल को कुल 164 मत मिले। निर्दलीय अभ्यर्थी राजेश कर्मा को कुल 1520 मत मिले, जिसमें 6 डाक मतपत्र भी शामिल है। निर्दलीय अभ्यर्थी रोहित सोदे को कुल 870 मत मिले। निर्दलीय अभ्यर्थी एड्व्होकेट लोकेश कुमार तिवारी को कुल 414 मत मिले, जिसमें 2 डाक मतपत्र भी शामिल है। नोटा को कुल 2357 मत मिले जिसमें 16 डाक मतपत्र शामिल है।

वहीं टिमरनी विधानसभा में मतगणना के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अभ्यर्थी अभिजीत शाह को 76554 मत मिले, जिसमें 630 डाक मतपत्र शामिल है। इसी तरह भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी संजय शाह को 75604 मत मिले, जिसमें 385 डाक मतपत्र भी शामिल है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के अभ्यर्थी नंदकिशोर बैठे को कुल 1159 मत मिले, जिसमें 4 डाक मतपत्र भी शामिल है। गण सुरक्षा पार्टी के अभ्यर्थी भाउलाल उइके को कुल 444 मत मिले, जिसमें 3 डाक मतपत्र भी शामिल है। निर्दलीय प्रत्याशी जयकुमार उइके को कुल 757 मत मिले, जिसमें 2 डाक मतपत्र भी शामिल है। निर्दलीय प्रत्याशी रमेश मसकोले को कुल 3562 मत मिले, जिसमें 61 डाक मतपत्र भी शामिल है। निर्दलीय अभ्यर्थी लक्ष्मण धुर्वे को कुल 837 मत मिले। नोटा को कुल 2561 मत मिले जिसमें 14 डाक मतपत्र शामिल है। रिटर्निंग अधिकारी हरदा आशीष खरे ने विजेता अभ्यर्थी डॉ. दोगने को निर्वाचित होने संबंधी प्रमाण-पत्र प्रदान किया। इसी तरह टिमरनी विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी महेश बड़ोले ने विजेता अभ्यर्थी अभिजीत शाह को निर्वाचित होने संबंधी प्रमाण-पत्र प्रदान किया। इस दौरान प्रेक्षक हरदा हनीश छाबड़ा, प्रेक्षक टिमरनी नरिन्दर सिंह बाली, कलेक्टर ऋषि गर्ग, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित सिसोनिया सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

देशबन्धु

रहली से पं. गोपाल भार्गव की अब तक की सबसे बड़ी जीत

जिले की आठ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से 7 में भाजपा और 1 में जीती कांग्रेस

जीते | हारे

सागर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश की 16वीं विधानसभा के लिए रविवार को हुई मतगणना में सागर जिले की 8 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से 7 सीटों पर भाजपा तथा एक पर कांग्रेस पार्टी ने विजय दर्ज की। जिले की रहली विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से लगातार 9वीं बार भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी गोपाल भार्गव सर्वाधिक 72 हजार 800 मतों से अपने निकटतम प्रत्याशी को पराजित किया। पं. गोपाल भार्गव ने अपने नाम 1 लाख 30 हजार 916 मत दर्ज किये जबकि कांग्रेस प्रत्याशी इंजी. ज्योति पटेल ने 58 हजार 116 मत प्राप्त किये।

खुरई विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी भूपेंद्र सिंह को 1 लाख 5 हजार 836 वोट मिले तथा कांग्रेस प्रत्याशी रक्षा सिंह राजपूत को 59 हजार 111 वोट मिले। भाजपा प्रत्याशी भूपेंद्र सिंह ने उनकी निकटतम प्रतिद्वंदी रक्षा सिंह से 46 हजार 725 वोटों से जीते।

सुरखी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत को 83 हजार 547 मत प्राप्त हुए जबकि कांग्रेस प्रत्याशी नीरज शर्मा को 81 हजार 369 मत मिले। इस प्रकार भाजपा प्रत्याशी श्री राजपूत ने कांग्रेस प्रत्याशी श्री शर्मा को 2 हजार 178 मतों से परास्त किया।

सागर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी शैलेंद्र जैन 74 हजार 769 वोट मिले जबकि कांग्रेस प्रत्याशी निधि जैन को 59 हजार 748 वोट मिले। भाजपा प्रत्याशी श्री जैन ने निधि जैन को 15 हजार 21 वोटों से हराया।

नरयावली विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी प्रदीप लारिया को 88 हजार 802 वोट मिले जबकि कांग्रेस प्रत्याशी एड. सुरेंद्र चौधरी को 73 हजार 790 वोट मिले। प्रदीप लारिया ने कांग्रेस प्रत्याशी को 15 हजार 12 मतों से परास्त किया।

बीना विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी एड. निर्मला सप्रे ने 72 हजार 458 वोट प्राप्त किये जबकि भारतीय जनता पार्टी के महेश राय को 66303 वोट मिले। इस प्रकार कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती सप्रे ने भाजपा प्रत्याशी पर 6 हजार 155 मतों से जीत दर्ज की।

बंडा विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी वीरेंद्र लोधी लंबरदार ने कांग्रेस प्रत्याशी तरवर लोधी को 34 हजार 751 वोटों से हराया। भाजपा प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह लोधी को 90 हजार 911 वोट मिले जबकि कांग्रेस प्रत्याशी तरबर सिंह लोधी को 56 हजार 160 वोट मिले।

देवरी विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी बृजबिहारी पटैरिया ने कांग्रेस प्रत्याशी हर्ष यादव को 27 हजार 377 वोटों से हराया। भाजपा प्रत्याशी बृज बिहारी पटेरिया को 95 हजार 615 वोट मिले जबकि कांग्रेस प्रत्याशी हर्ष यादव को 68 हजार 238 वोट मिले।

जीते | हारे

निर्वाचित प्रत्याशियों को रिटर्निंग अधिकारियों ने दिए निर्वाचन प्रमाण पत्र

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत संपन्न हुए चुनाव के बाद विजय श्री प्राप्त करने वाले प्रत्याशियों को संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सागर जिले की 8 विधानसभा क्षेत्र में रहली विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के विजयी प्रत्याशी गोपाल भार्गव को रिटर्निंग अधिकारी गोविंद दुबे द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। खुरई विधानसभा क्षेत्र की भारतीय जनता पार्टी के विजयी प्रत्याशी भूपेंद्र सिंह को रिटर्निंग अधिकारी रविश श्रीवास्तव द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य मोजूद थे। सुरखी विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के विजयी प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत को रिटर्निंग अधिकारी अशोक सेन द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। नरयावली विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के विजयी प्रत्याशी प्रदीप लारिया को रिटर्निंग अधिकारी विजय डहरिया ने प्रमाण पत्र प्रदान किया। देवरी विधानसभा क्षेत्र की भारतीय जनता पार्टी के विजयी प्रत्याशी बृज बिहारी पटैरिया को रिटर्निंग अधिकारी गगन विसेन द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सागर विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के विजयी प्रत्याशी शैलेंद्र जैन को रिटर्निंग अधिकारी शैलेंद्र सिंह द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। बण्डा विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के विजयी प्रत्याोशी वीरेन्द्र सिंह लोधी को रिटर्निंग अधिकारी संदीप सिंह परिहार द्वारा प्रमाण प्रदान किया गया। बीना विधानसभा क्षेत्र की कांग्रेस के विजयी प्रत्याशी डॉ. निर्मला सप्रे को रिटर्निंग अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया।

शांति पूर्वक मतगणना के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने जिले वासियों का माना आभार दिया धन्यवाद

सागर, देशबन्धु। सागर 16 वीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव में रविवार को सागर जिले की आठ विधानसभा क्षेत्र की मतगणना शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुई। मतगणना निर्विघ्न रूप से संपन्न होने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने समस्त राजनीतिक दलों अधिकारी, कर्मचारी, पुलिस के अधिकारी कर्मचारियों सहित जिले वासियों एवं मीडिया के साथियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है। कलेक्टर दीपक आर्य ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार आज प्रात: कड़ी सुरक्षा व्यरवस्था के बीच एवं अभ्यर्थियों, गणना अभिकर्ताओं की मौजूदगी में सर्वप्रथम डाकमत पत्रों को स्ट्रांग रूम से निकालकर डाकमत पत्रों की गणना प्रारंभ कराई गई। तत्पश्चात जिले की 8 विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रांग रूम से ईव्हीईएम मशीनों को निकालकर मतगणना प्रारंभ कराई गई। उन्होंने बताया कि जिले के शासकीय इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज में कराई गई मतगणना में पुलिस विभाग के द्वारा 500 अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी सुरक्षा प्रबंध के लिए लगाई गई थी। सभी 8 विधानसभा क्षेत्र की निर्धारित चक्र के अनुसार मतगणना संपन्न हुई एवं मतगणना के पश्चात विजय श्री प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतगणना स्थल पर मीडिया कर्मियों को संपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए सर्व सुविधा युक्त मीडिया केंद्र बनाया गया था, जिसमें जनसंपर्क विभाग के द्वारा चक्रवार जानकारी मीडिया के साथियों को प्रदान की गई। सागर जिले की 8 विधानसभा क्षेत्र के रूझान की जानकारी के साथ-साथ संपूर्ण मध्य प्रदेश एवं अन्य राज्यों की मतगणना की जानकारी के लिए विशाल एलईडी भी लगाई गई थी, जिसके माध्यम से सभी मीडिया के साथियों ने रूचिपूर्वक जानकारी प्राप्त की।

सुरखी विधानसभा के सभी मतदाताओं का आभार: गोविंद सिंह राजपूत

सागर, देशबन्धु। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास जहां भी हो जीत सुनिश्चित होती है। यह जीत मेरी नहीं सुरखी के विकास की जीत है। मैंने पहले भी कहा था कि यह चुनाव मैं नहीं लड़ रहा बल्कि आप और विधानसभा का प्रत्येक नागरिक लड़ रहा है, यह उनकी ही जीत है। यह आगामी स्वर्णिम सुरखी विधानसभा के भविष्य की जीत है। क्षेत्र के लोगों ने मुझे विजय श्री का आशीर्वाद प्रदान किया। इसके लिए मैं सुरखी विधानसभा के प्रत्येक मतदाता का आभारी रहूंगा और आपकी सेवा में कोई कसर नहीं छोडूंगा। आपका विश्वास हमेशा जीता है और भविष्य में भी आपके इस विश्वास पर खरा उतरूंगा।

प्रदीप लारिया ने क्षेत्र की जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं का जताया आभार

सागर, देशबन्धु। नरयावली विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी विधायक प्रदीप लारिया ने नरयावली में भाजपा की जीत पर क्षेत्र की जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार जताया, उन्होंने अपनी जीत को मप्र के विकास मॉडल और भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का फल बताया, उन्होने अपनी जीत को भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम की जीत बताया, लारिया ने क्षेत्र की लाडली बहनाओं सहित प्रशासन और मीडिया का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह क्षेत्रवासियों ने चौथी बार विधानसभा चुनाव में मुझ पर भरोसा जताया है। मै उनके विश्वास को खण्डित नही होने दूंगा क्षेत्र के विकास और जनता की सेवा में कसर नही छोडूंगा।

जिला अध्यक्ष ने सामूहिक नेतृत्व के साथ कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया

सागर, देशबन्धु। भाजपा को मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली अभूतपूर्व जीत ने भारत की राजनीति में एक नया इतिहास रचा है। जिसमें जिले में भी भारतीय जनता पार्टी ने 7 विधानसभा सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व और भारतीय राजनीति के आधुनिक चाणक्य व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की कुशल रणनीति और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के मार्गदर्शन से यह ऐतिहासिक जीत भारतीय जनता पार्टी को मिली है। जिसके लिए जिलें के सभी वरिष्ठ नेताओं जनप्रतिनिधि पार्टी पदाधिकारी के सामूहिक नेतृत्व एवं पार्टी के देव तुल्य कार्यकर्ताओं को हृदय से बधाई कि उनके प्रयासों से पार्टी को विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक बहुमत मिला है।

प्रधानमंत्री के संकल्प को कार्यकर्ताओं ने साकार किया

जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल में देश भर के 10 लाख बूथों के कार्यकर्ताओं को मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के तहत बूथ जीतने का जो मंत्र दिया था, उसे पार्टी के देवदुर्लभ कार्यकर्ताओं ने साकार करने का काम किया है। प्रदेश की जनता से भारतीय जनता पार्टी को विधानसभा चुनाव में जिस तरह से आशीर्वाद दिया है वह यह बताता है कि मध्यप्रदेश की जनता 2024 में श्री मोदी जी को पुन: देश का प्रधानमंत्री बनाने का मन अभी से बना चुकी है।

नि:शुल्क शतरंज प्रशिक्षण संपन्न

सागर, देशबन्धु। रविवार को रोटरी क्लब ऑफ सागर के रोटरी कम्युनिटी कॉर्प आरसीसी के द्वारा रोटरी कम्युनिटी कोर्प आरसीसी शतरंज प्रशिक्षण सुबह 10 बजे कांची रेस्टोरेंट सिविल लाइन सागर में डॉ. विवेक तिवारी असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के मुख्य अतिथ्य, आरसीसी चैयरमेन अधिवक्ता वीनू शमशेर जंग बहादुर राणा, आरसीसी बहेरिया अध्यक्ष फिडे आर्बिटर इंजीनियर अंकुर सिंह ठाकुर, वैज्ञानिक डॉ. आशीष त्रिपाठी कृषि विज्ञान केंद्र, अजय उपाध्याय, आयुष्मान सैनी, चतुर्भुज सिंह ठाकुर, प्रभात राणा, सपना लोधी, अभिषेक जैन की उपस्थिति में किया गया। इस प्रशिक्षण में 16 बच्चों ने सहभागिता की। यह प्रशिक्षण हर रविवार को सुबह 10 से 12 तक नि:शुल्क कांची रेस्टोरेंट सिविल लाइन सागर में दिया जाएगा। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शतरंज में बच्चों की दिलचस्पी बढ़े और जिससे उनके खेल के स्तर में बढ़ोतरी हो एवं आगामी 5 वर्षों में सागर के छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हो सके।

बोलना एक सुंदर कला है, मौन उससे भी श्रेष्ठ है: मुनिश्री

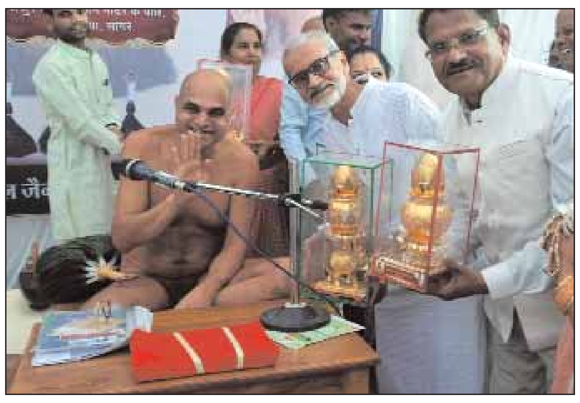

मकरोनिया, देशबन्धु। शब्द तुम्हारी ताकत है, शब्दों का सही प्रयोग करो, गलत प्रयोग से तुम्हारी कमजोरी बन जाएगी। महान वे होते हैं जो कमजोर को ताकत बना देते हैं वही जीवन में सफल होते हैं मुनिश्री सुदत्तसागर ने श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर अंकुर कॉलोनी में धर्मसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही, मुनिश्री ने कहा की अपमानजनक अश्लील आपत्तिजनक फालतू बात मत करो। सोशल मीडिया पर चैटिंग फोन पर ग्राहकों से, दोस्तो से, परिवार आदि से फालतू की बातें जिनके सिर पैर ना हो मत बोलो, काम की बात करो, लोग पीछा छुड़ाना चाहते हैं कि वह बहुत बोलता है। सोचो वाचालता से आपका महत्व कम होता है, व्यर्थ की बकवास से बचो। अवसर के अनुरूप बोलो, पहले तोलो फिर बोलो, बोलना एक सुंदर कला है, मौन उससे भी श्रेष्ठ है। क्षुल्लक श्री चंद्रदत्त सागर ने कहा हम आकांक्षाओं को पालते रहे और सुख शांति की कल्पना करते रहे यह कभी संभव नहीं हो सकता। जब-जब प्राणी परेशान हुआ है आकांक्षा के वशीभूत होकर हुआ है। संसार में कोई पेट से परेशान नहीं है, परेशानी है तो पेटी से। पेट वाला फिर भी सुखी हो सकता है क्योंकि पेट का प्रमाण है की पेट में कितना डाला जाएगा लेकिन संसार में पेटी का कोई प्रमाण नहीं है। इंसान जो पाता है सो भाता नहीं और जो भाता है वह पाता नहीं है, इसी कारण संसार में सुख साता नहीं है श्री दिगंबर जैन मंदिर, बड़कुल वाला विजय टॉकीज चौराहा से जैन समाज ने मुनि संघ के चरणों में श्रीफल भेंट करके पधारने के लिए निवेदन किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया आतिशबाजी की, मिठाई बाटी

राहतगढ़, देशबन्धु। मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर भाजपा मंडल कार्यकर्ताओं ने अंत्योदय समिति अध्यक्ष रामकुमार तिवारी के नेतृत्व में नगर के मुख्य मार्गो से जुलूस निकाला। बस स्टैंड स्थित पुलिस चौकी के पास कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। इस मौके पर जिला भाजपा कार्यसमिति सदस्य विनोद ओसवाल, भाजपा नेता पप्पू तिवारी, पूरनदास कबीरपंथी, संजय जैन, अफजल उस्मानी, विपुल तिवारी आदि अनेक मंडल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यह जीत लाडली बहना और प्रदेश की विकास की : शैलेष

सागर, देशबन्धु। रविवार के दिन भाजपा मप्र में भारी बहुमत से विजयी हुई इस अवसर पर सागर जिले की लाडली बहनों, लाड़ली लक्ष्मी और नव मतदाताओं ने प्रदेश कार्य समिति सदस्य शैलेश केशरवानी को मुंह मीठा कराकर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर शैलेश केशरवानी ने कहा कि यह जीत आप सभी लाडली बहनों और प्रदेश के विकास की हुई है। भाजपा की मप्र में जीत के बाद प्रदेश का विकास और तेजी से होगा जनता ने जो अपना भरोसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर दिखाया है वह अभूतपूर्व है। इस अवसर पर कुसुम पटेल, रेखा पटेल, आशा साहू, प्रियंका साहू सहित बड़ी संख्या में नगर की लाड़ली बहना उपस्थित रही।

श्री गुलाब बाबा मंदिर के 16 वें वार्षिक उत्सव में रंगोली प्रतियोगितायें संपन्न

सागर, देशबन्धु। रंगोली के यह कलर जिन्दगी के वह रंग है जिनमें सुख दुख के साथ आपकी प्रसन्नता जाहिर होती है, आपने जो आज रंगोली श्री बाबाजी के मंदिर में बनाई है यह प्रतियोगिता के रंग नहीं थे, आपकी खुशहाली के रंग थे, उक्त उद्गार मुंबई से पधारे श्री गुलाब बाबा चेरिटेबिल ट्रस्ट की ज्योति जिमी अल्मेड़ा ने पुरूस्कार वितरण समारोह में व्यक्त किये।

रंगोली प्रतियोगिता में कुल 395 छात्राओं महिलाओं एवं स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया एवं संपूर्ण मंदिर परिसर में बडे ही सुंदर तरीके से रंगावन किया। अत्यंत ही जटिल प्रतिस्पर्धा में निर्णायक सुनीला सराफ, स्वाति हलवे, सुरभि सोनी, मनमोहन चौरसिया, ललित नारायण एवं हेमन्त ताम्रकार थे। अ वर्ग 18 वर्ष से कम उम्र में क्रमश: प्रथम अंषिका सोनी, द्वितीय हर्षिता नामदेव, तृतीय अमित यादव एवं प्रोत्साहन कृतिका तिवारी ने प्राप्त किये। द्वितीय समूह ब वर्ग में प्रथम मनीषा पटैल, द्वितीय आयषा सोनी, तृतीय रिया कोरीएवं सात्वना पुरूस्कार सोनल सोनी ने प्राप्त किये। संध्या कालीन बेला में स्वर तरंग सागर रिकार्ड आफ सागर में सागर के समस्त सुगम संगीत आर्केस्ट्रा के गायक एवं वादक कलाकारों ने पांच गानों की संयुक्त प्रस्तुती का प्रोग्राम कर आल इंडिया में लाइव टेलीकास्ट कर एक अभूतपूर्व संगीतमय गायन का रिकार्ड कायम किया, इसमें 70 गायकों एवं वादकों ने संयुक्त रूप से मंच पर एक साथ प्रस्तुति दी। रात्रि कालीन बेला शास्त्रीय गायन एवं नृत्य की प्रस्तुती पचास कलाकारों ने मिलकर मंच पर दी जिसमें रागिनी श्रीवास्तव, व्याख्या कथक नृत्य, जयश्री लुखे, शास्त्रीय गायन विशेषज्ञ, कृष्ण कुमार कटारे, शास्त्रीय संगीतज्ञ, आरोही श्रीवास्तव, नृत्य निर्देशक का सहयोग रहा। मंदिर सचिव श्याम सोनी ने बताया कि हर वर्ष की तरह रविवार 4 दिसम्बर को श्री गुलाब बाबा चरण पादुका पालिकी नगर शोभायात्रा सुबह 11.32 पर मंदिर के मोक्ष द्वार से आरंभ होकर शहर भ्रमण को निकलेगी एवं रात्रि में प्रसिद्ध भजन गायक अरूणमणी त्रिपाठी जूनियर लख्खा की भजन संध्या होगी।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली***
प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन**- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।